जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 79 प्रभात बीकानेर, बुधवार 9 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

जाट-गैर जाट का ध्रुवीकरण ले बैठा कांग्रेस को हरियाणा में?

ध्रुवीकरण को ताकत मिली इस बात से कि टिकट वितरण में पूरी तरह से चली सशक्त जाट नेता भूपेन्द्र सिंह हूडा की। उन्हें 90 टिकटों में से 73 सीटों पर उम्मीदवार चुनने का एकाधिकार दिया गया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। सभी उम्मीदों और भविष्यवाणियों को उलटते हुए भाजपा ने निर्णायक रुप से कांग्रेस को हराकर और 90 में से 48 सीटों पर जीत हासिल करके पूर्ण बहुमत के साथ तीसरी बार लगातार तीसरी बार सत्ता में तीसरा कार्यकाल अपने नाम किया है।

सूत्रों का कहना है कि मौजूदा मुख्यमंत्री सैनी इस पद पर बने रहेंगे।

जम्मू और कश्मीर में कांग्रेस नैशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन ने 49 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया है तथा इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य में सत्ता हासिल करने की भाजपा की उम्मीद पर पानी फेर दिया है।

भाजपा ने जम्मू में केवल 29 सीटें जीती हैं जबकि कांग्रेस की 6 सीटें मिलाकर नैशनल कॉन्फ्रेंस को 42 सीटें मिली हैं। जम्मू में कांग्रेस बुरी तरह हारी और वहाँ एक भी सीट नहीं जीत पाई।

उमर अब्दुल्ला अब जम्मू और कश्मीर के नए मुख्यमंत्री होंगे।

तो हरियाणा में कांग्रेस के साथ ऐसा क्या हुआ कि वो 90 में से केवल 37 सीटें ही जीत पाई और लगातार तीसरे कार्यकाल में अब विपक्ष में बैठेगी।

- इस तथ्य से, ऐसा माना जा रहा है कि गैर जाट भयभीत हुए, क्योंकि वे जाटों के सामर्थ्य व शक्ति से काफी परिचित थे। अतः भाजपा सरकार की भारी एंटी इनकम्बैंसी के बावजूद, गैर जाट वोट भारी संख्या में भाजपा के पक्ष में गिरा।
- दलित वर्ग ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ा तथा राम रहीम के नेतृत्व में भाजपा के पक्ष में मतदान किया, जिन्हें चुनाव से पूर्व जेल से पैरोल पर रिहा किया गया था। राम रहीम के अनुयायी मूलतः दलित हैं।
- भाजपा की जीत का एक अहम् कारण यह भी है कि बड़ी होशियारी से भाजपा ने हर सीट पर माइक्रो मैनेजमैंट किया। उदाहरण के लिये, कांग्रेस के वोट बैंक का विभाजन करने के लिए, सीट की स्थिति देखते हुए कहीं तो बसपा का चौटाला की पार्टी से गठबंधन करवाया और कहीं आज़ाद का उपयोग किया और कहीं और निर्दलीय उम्मीदवार खड़े किये, कांग्रेस को नुकसान पहुँचाने के लिये।

हरियाणा में कांग्रेस की इस बुरी हार के लिए कई कारकों को जिम्मेवार माना जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि, ध्रुवीकरण और भाजपा का माइक्रोमैने-जमैंट तथा चुनावी जोड़-तोड़ इसका कारण है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "किसी भी राज्य में, जहाँ भाजपा का सी.एम. और डी.एम. है, आप निश्चित रुप से कह सकते हैं कि वो चुनाव जीतेंगे।"

विश्लेषकों का कहना है कि जाट और गैर जाट की भी भूमिका रही है। हरियाणा के जाट दिग्गज, भूपिंदर सिंह हूडा को 90 में से 73 टिकट दिए गए बांटने के लिए, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया कि वो ही "बॉस" और अगले मुख्यमंत्री हैं।

इससे गैर जाट डर गए जो जाटों की शक्ति से आंतकित थे और उन्होंने, भारी प्रशासन विरोधी भावनाओं के बावजूद भाजपा को वोट दिया। दलितों ने भी कांग्रेस का पाला छोड़ दिया और जेल से बाहर आए राम रहीम के नेतृत्व में भाजपा को वोट दिया। राम रहीम के अधिकतर अनुयायी दलित हैं।

भाजपा ने, मतों को विभाजित करने के लिए तथा कांग्रेस वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए हर एक निर्वाचन क्षेत्र में बखूबी से माइक्रोमैनेजमैंट किया। हरियाणा में चौटाला की पार्टी से बसपा का गठबंधन किया कश्मीर आज़ाद से ताकि वोट काटे जा सके। यही नहीं निर्दलियों को भी मैदान में उतारा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के लिए।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कुछ जिलों में ई.वी.एम. के साथ छेड़छाड़ की गई। पार्टी का आरोप है कि उन ई.वी.एम. में, जिनमें बैटरी 99 प्रतिशत थी (जो कि

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दो अमरीकी वैज्ञानिकों को फीज़िक्स का नोबल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। फीज़िक्स में वर्ष 2024 का नोबल पुरस्कार जॉन

- जॉन होपफील्ड अैर ज्यॉफ्री हिंटन को आर्टिफिशियल न्यूरल नैटवर्क के साथ मशीन लर्निंग में नई खोज करने के लिए नोबल पुरस्कार दिया गया है।

एच. होपफील्ड एवं ज्यॉफ्री ई. हिन्टन को दिया गया है। इन्हें यह सम्मान

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मंदिर से घर आते दम्पति पर पैंथर ने हमला किया

उदयपुर, 8 अक्टूबर (कासं)। सोमवार रात उदयपुर शहर से करीब 18

- कुराबड़ मार्ग पर यह स्थान उदयपुर शहर से 18 किलोमीटर दूर है। दम्पति बाइक से गिर गया था, पर, अन्य वाहनों की अवाज़ से पैंथर भाग गया।

किलोमीटर दूर कुराबड मार्ग पर पैंथर ने मंदिर से लौट रहे बाइक सवार दम्पति

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हरियाणा की सफलता से महाराष्ट्र और झारखंड में भाजपा की संभावनाएं मजबूत होंगी

हरियाणा में तमाम विपरीत हालातों और अनुमानों के बावजूद भी जीत हासिल होना भाजपा की बड़ी सफलता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। हरियाणा में एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणियों के विपरीत हुई भाजपा की अप्रत्याशित विजय पार्टी की समझ-बूझ तथा रणनैतिक कौशल को रेखांकित करती है, जबकि पार्टी के सम्मुख अनेक चुनौतियाँ थीं। इस स्थिति में ऐसी सम्भावना प्रतीत होना स्वाभाविक ही है कि शीघ्र ही होने वाले महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में भाजपा की स्थिति को अतिरिक्त बल मिलेगा तथा भाजपा विपक्ष की एकता एवं रणनीतियों को चुनौती दे सकेगी।

हरियाणा में, भाजपा एग्ज़िट पोल्स के जबड़ों से विजय को छीनती दिखाई दी है। विदित ही है कि एग्ज़िट पोल्स ने राज्य में कांग्रेस की बहुत बड़ी जीत की भविष्यवाणी की थी।

हालांकि परिणाम अभी आ रहे हैं, लेकिन बढ़त एवं जीत दर्शा रही हैं कि भाजपा बहुमत के आँकड़े को पीछे छोड़ चुकी है। हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी जीत हो गई है, इस स्थिति यह जीत और भी असाधारण एवं अद्वितीय हो गई है क्योंकि पार्टी, लम्बे समय से सत्तासीन होने के कारण,

- राजनैतिक हलकों में पूछा जा रहा है कि क्या लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन को मिली सफलता का रंग उतरने लगा है।
- विपक्षी दलों को अब कुछ अलग सोचना होगा और संगठन व प्रबंध के स्तर पर काम करना होगा। अब तक विपक्षी दलों को लग रहा था कि वे जातिवाद के सहारे भाजपा को मात दे सकते हैं।

सत्ता-विरोधी लहर की आंशका से त्रस्त दिखाई दे रही थी।

हरियाणा, जहाँ सारी स्थितियाँ भाजपा के विरुद्ध थीं, में भाजपा की विजय यह दर्शा रही है कि पार्टी पतन की ओर नहीं जा रही, जैसा कि बहुत-से लोगों ने ऐसा सोचा था, जब कुछ पहले हुए लोकसभा चुनावों में इसका प्रदर्शन अपेक्षाओं से कुछ कम रहा था।

जब भाजपा लोकसभा चुनावों में 400 सीट जीतने के अपने लक्ष्य से काफी नीचे रह गई थी, यहाँ तक बहुमत का आँकड़ा नहीं छू पाई थी, उसे अपने बड़े मित्र दलों, टी.डी.पी. तथा जे.डी.(यू.) की मदद से सरकार बनानी पड़ी थी। लोकसभा चुनाव परिणामों को भाजपा के प्रभुत्व के दशक के अन्त तथा विपक्षी दलों इंडिया ब्लॉक के उदय के रूप में देखा गया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जो विपक्ष के सबसे कद्दावर नेता के रूप में उभरे थे, को एक परिपक्व नेता के रूप में देखा गया था, क्योंकि कांग्रेस ने 2019 के चुनावों में जीतीं 52 सीटों से करीब दोगुनी सीटें जीत ली थीं। सुप्रसिद्ध मोदी-लहर, जिसका मतदाताओं पर जबरदस्त प्रभाव था, भी लोगों को उतार पर दिखाई देने लगी थी।

और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी कि विपक्षी दल यह मानने लगे थे कि उन्हें आखिरकार जीत का फॉर्मूला मिल गया है। रेवड़ियाँ, जाति-जनगणना, जातिगत कोटा-वृद्धि जैसी चीजें, उनके अनुसार, भाजपा के विकास एवं हिन्दुत्व के एजेंडा को हरा सकती थीं।

प्रधानमन्त्री मोदी को इन चुनावों के

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है हरियाणा की हार को

हार को समझाने के लिए, वो ही पुराने ई.वी.एम. आदि कारण बता रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। कांग्रेस ने हरियाणा के चुनाव परिणाम को अप्रत्याशित एवं स्तब्ध कर देने वाला बताया है। अपने पक्ष की शुरुआती बढ़त के बाद भाजपा के पक्ष में रुझान आने और उनमें भाजपा की बड़ी जीत में तब्दील हो जाने के घंटों बाद, कांग्रेस ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह इन परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकती।

दिन के पूर्वान्ह काल में ही, कांग्रेस हरकत में आ गई थी तथा उसने चुनाव आयोग को एक पत्र लिख कर शिकायत की कि हरियाणा चुनाव के परिणामों की नवीनतम एवं त्वरित जानकारी देने में "समझ में न आने योग्य धीमी गति" रखी गई।

पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने पत्र में लिखा, "जैसी कि आप कल्पना कर सकते हैं, इससे "बैड फेथ एक्टर्स" को ऐसे आख्यान गढ़ने का अवसर मिलता है, जो इस प्रक्रिया को कमजोर करते हैं। आप इसके उदाहरण एवं प्रमाण सोशल मीडिया की गतिविधियों में देख सकते हैं। हमें यह भी डर है कि इस प्रकार

- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने इस बारे में चुनाव आयोग को शिकायती पत्र लिखा और कहा कि मतगणना के बारे में बहुत धीमी गति से अटपटे अंदाज़ में अपडेट किया गया, ऐसा लग रहा था कि अंदर ही अंदर गड़बड़ी चल रही थी।
- जयराम रमेश ने कहा कि 12 से 14 सीटों पर हमारे प्रत्याशियों ने मतगणना में गड़बड़ी की शिकायत की है। रमेश ने कहा कि जो प्रत्याशी अच्छे अंतर से जीत रहे थे, वे पचास, सौ व ढाई सौ वोटों से हार गए।
- रमेश ने कहा, यह तंत्र की जीत है, पर, लोकतंत्र की हार है। हम सारी जानकारी एकत्र कर रहे हैं और उसे चुनाव आयोग के समक्ष पेश करेंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्तों को 20 साल की सजा

जयपुर, 8 अक्टूबर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 17 साल 9 माह की नाबालिग के साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मुकेश और विक्रम सिंह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर 3.5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्तों का कृत्य न केवल पीड़िता के प्रति, बल्कि पूरे समाज के खिलाफ किया अपराध है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक

- पीड़िता के भाई ने फरवरी 2020 में विराटनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने 25 दिन में अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

यह स्वीकार करना ही पड़ता है कि भाजपा का पर्दे के पीछे का चुनाव मैनेजमैंट, कांग्रेस से कहीं ज्यादा बेहतर है

कांग्रेस का नेतृत्व काफी विभाजित सा है, प्रदेशों में और केन्द्रीय नेतृत्व कितना भी प्रयास कर ले, कितनी भी समझाइश कर ले, प्रदेश के खेमेबाज नेताओं पर कोई असर नहीं पड़ता

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। हरियाणा में कांग्रेस नेताओं का अति आत्मविश्वास और जरुरत से ज्यादा बड़े ईगो की वजह से कांग्रेस लगातार तीसरी बार भाजपा से हार गई।

हरियाणा विधानसभा का भाजपा को बहुमत मिल चुका है। पार्टी 49 सीटों पर आगे है और कांग्रेस 36 सीटों पर आगे है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर ये आंकड़ें उपलब्ध हैं।

तीन सीटों पर निर्दलीय आगे हैं और एक-एक सीट पर आई.एन.एल.डी. और बसपा आगे हैं। आम आदमी पार्टी का खाता भी नहीं खुला है।

कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह आठ बजे मतगणना शुरु हुई थी।

राजनैतिक दलों के प्रदर्शन से संबंधित जो आंकड़ें एवं नतीजे उपलब्ध हैं, उन पर एक नज़र डालें तो पता लगता है की कांग्रेस के प्रदेश नेताओं, खासकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हूडा और उनके प्रतिद्वंदी कुमारी सैलजा एवं रणदीप सुरजेवाला के ईगो अति आत्मविश्वास के कारण इन चुनावों में

- हरियाणा में कम से कम 17 सीटें ऐसी थीं, जो कांग्रेस बहुत कम मार्जिन से हारी और वो जीत सकती थी, अगर प्रदेश का नेतृत्व जमीन की सच्चाई को स्वीकार करता और समय की माँग की अवहेलना नहीं करता।
- हूडा की सोच खड़गे और राहुल को माननी पड़ी और हूडा के इस तर्क के आगे मजबूरन झुकना पड़ा कि कांग्रेस स्वयमेव ही जीत रही है और आप व समाजवादी पार्टी से बात करने की जरूरत नहीं है।
- नतीजा यह हुआ कि इंडिया गठबंधन द्वारा तैयार किये गये माहौल व लोकसभा चुनाव के "मोमैन्टम" को उल्टा कर दिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

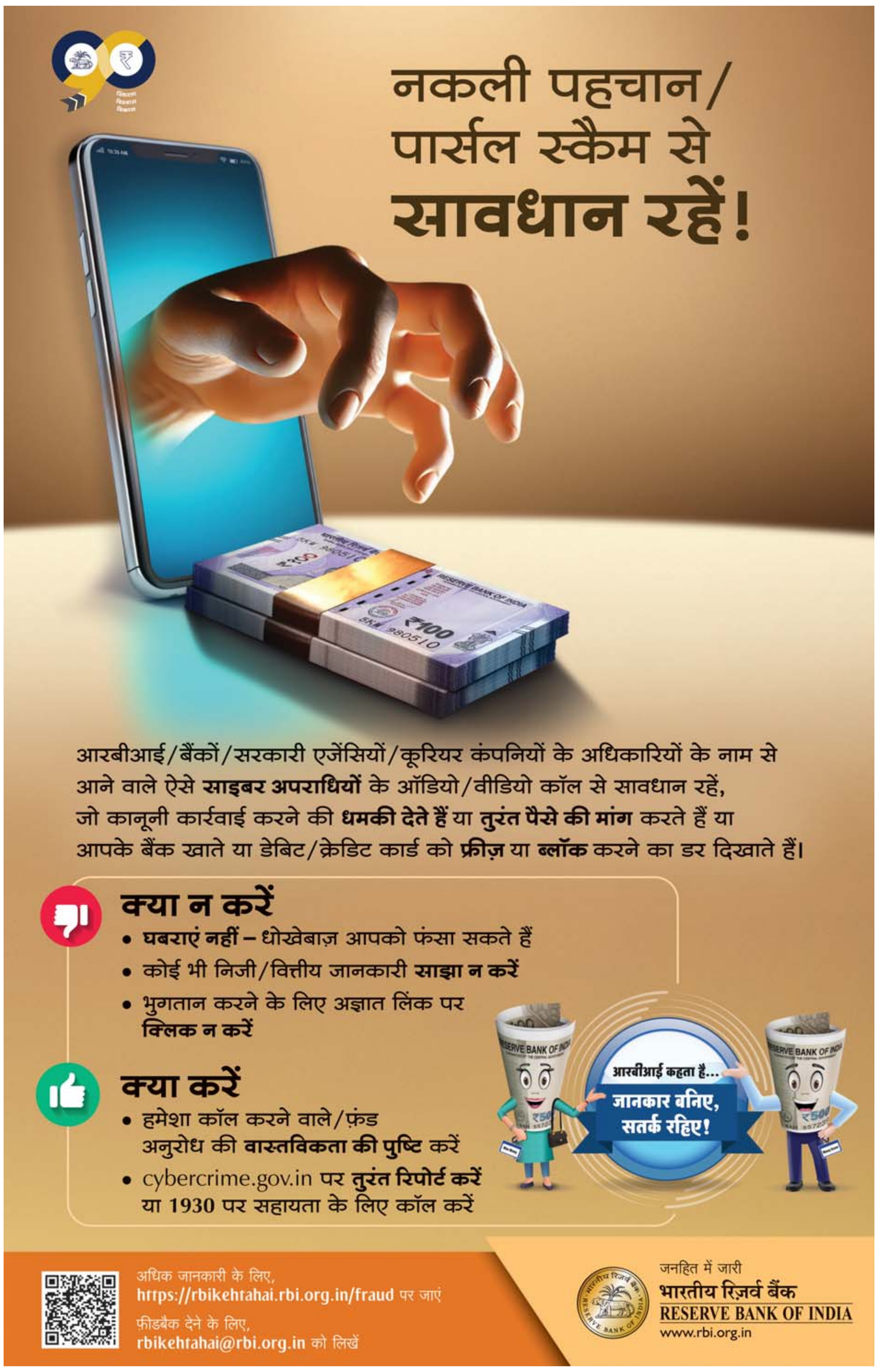

विचार बिन्दु

केवल प्रकाश का अभाव ही अंधकार नहीं, प्रकाश की अति भी मनुष्य की आँखों के लिए अंधकार है। –स्वामी रामतीर्थ

यह मानना कि हमारी मान्यता गलत हो सकती है!

किसी ने यदि बौद्धिक विनम्रता के बारे में कभी नहीं सुना है, तो वह अकेला नहीं हैं। इस विषय पर पश्चिम में अकादमिक शोध हो रहे हैं। बौद्धिक विनम्रता का अर्थ यह स्वीकार करना है कि हमारी मान्यता गलत हो सकती है। यह विनम्रता हमें खुले दिमाग से सच्चाई को सुनने और उस पर ध्यानपूर्वक विचार करने के लिये तैयार करती है। वर्तमान भारतीय राजनीतिक कोलाहल में यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसका यहां भी विमर्श आवश्यक है। हालांकि भारतीय परंपरा में पुरातन काल से बौद्धिक विनम्रता की अवधारणा मिलती है। भारतीय वेदों और पुराणों के आख्यान इसकी गवाही देते हैं। विश्व की अन्य दार्शनिक परंपराओं में भी बौद्धिक गुणों की बात की गई है। पिछले दो दशकों में मानव के व्यवहार का अध्ययन करने वाले मनोवैज्ञानिकों और समाजिक वैज्ञानिकों ने इस विषय पर शोध भी किए हैं। एक वाक्य में कहें तो, बौद्धिक विनम्रता यह पहचानना भर है कि जिस चीज़ पर हम विश्वास करते हैं, वह वास्तव में गलत हो सकती है। हालांकि किसी को अपना विश्वास गलत नहीं लगता है। कोई उन चीजों पर क्यों कर विश्वास करेगा जो गलत लगती हैं। लेकिन बौद्धिक रूप से विनम्र व्यक्ति यह पहचानता है कि जिन चीजों पर वह जबरदस्त विश्वास करता है उनमें से कई चीजें वास्तव में गलत हो सकती हैं। दार्शनिक लोग लंबे समय से इसे एक बौद्धिक गुण के रूप में बताते आए हैं, ताकि लोग इस संभावना को पहचान सकें कि वे चीजों के बारे में गलत हो सकते हैं। हाल ही में हुए अनेक अध्ययन बताते हैं कि अधिकांश लोग अपने आप में जितना होना चाहिए उससे कहीं अधिक आश्वस्त होते हैं। वे यह विश्वास करते हुए जीवन जीते हैं कि वे सत्य के पक्ष में हैं। अमरीकी अध्ययनकर्ताओं ने लगभग दस साल पहले यह सवाल पूछना शुरू किया कि अगर हम लोगों को बौद्धिक रूप से थोड़ा और विनम्र बना सकें तो इसका क्या मतलब होगा? यदि हम लोगों को यह एहसास दिलाएं कि उनका विश्वास और दृष्टिकोण कभी-कभी गलत भी हो सकता है, तो क्या इससे उनके निर्णयों में सुधार होगा और क्या वे अन्य लोगों के साथ असहमति और संघर्ष से निपट पाएंगे? भारतीय राजनीति ही नहीं समूची मानव सभ्यता आज जिस मुक़ाम पर है वहां वास्तव में आवश्यकता इस बात की है कि लोगों को उनके विचारों की सटीकता में अधिक यथार्थवादी बनाने के लिए तैयार किया जाय। अकादमिक अध्येता इस सवाल का जवाब खोज रहे हैं कि क्या बौद्धिक विनम्रता एक ऐसा तरीका है जिसे विकसित किया जा सकता हैं? या क्या यह मानव व्यक्तित्व की एक विशेषता है जो कुछ लोगों में होती है और कुछ लोगों में नहीं होती? मनोविज्ञान के अध्येता मानते आये हैं कि लोग निश्चित रूप से बौद्धिक रूप से विनम्र होने के स्तरों में एक समान नहीं होते, उनमें भिन्नता होती है। लोगों की अनिश्चितता के प्रति सहनशीलता के बारे में सोचें तो बौद्धिक रूप से विनम्र होना और यह स्वीकार करना कठिन होता है कि यदि हम हर समय निश्चितता चाहेंगे तो चीजों को नहीं जान पाएंगे। किसी का पालन-पोषण कैसे हुआ है इसका भी इस बात से बहुत लेना-देना होता है। हमें यह प्रवत्ति कहां से मिली? हम जो जानते हैं वह जानकारी कहां से आई है? यह एक व्यक्तित्व विशेषता है, लेकिन मन की एक स्थिति भी है जो कभी-कभी उभरती है। क्या हम इसे साध सकते हैं? यह वह बड़ा सवाल है जिस पर अभी पश्चिम में लोग अध्ययन कर रहे हैं और यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या लोगों को बौद्धिक रूप से अधिक विनम्र बनाने के तरीके विकसित किए जा सकते हैं?

वे पैरामीटर क्या हैं या ऐसी चीजें क्या हैं जो यह निर्धारित करने में मदद करती हैं कि कोई व्यक्ति बौद्धिक रूप से विनम्र होगा या नहीं होगा? इस सवाल के उत्तर खोजने के लिये विशेषज्ञों ने व्यक्तित्व की विशेषताओं पर अध्ययन किया है। उदाहरण के लिए, उन्हें यह जानकारी है कि जो लोग सोचने में बड़ा आनंद लेते हैं उनमें बौद्धिक विनम्रता अधिक होती है। जो लोग अधिक सोचना पसंद करते हैं, उन्हें बौद्धिक खेल खेलना पसंद होता है। वे उन मुद्दों पर विचार करना पसंद करते हैं जिनका कोई उत्तर नहीं होता। मगर दूसरी तरह के लोग तब तक सोचना पसंद नहीं करते जब तक उन्हें वास्तव में ऐसा न करना पड़े। इसलिए माना जाता है कि जितना अधिक कोई सोचने का आनंद लेता है, उतनी ही अधिक संभावना है कि वह बौद्धिक रूप से विनम्र होगा। दूसरी बात है, अस्पष्टता या अनिश्चितता के प्रति सहिष्णुता। हममें से किसी को भी अनिश्चितता पसंद नहीं है। और यदि हम अनिश्चितता को बेहतर ढंग से सहन कर सकते हैं, तो हमारे लिये बौद्धिक रूप से विनम्र होना आसान हो जाता है क्योंकि हम अपनी मान्यताओं पर कायम रहते हुए खुद से कह सकते हैं, कि हां ठीक है, लेकिन मैं पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकता कि मैं इस बारे में सही हूं। कई अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि अपने विश्वास में निश्चित होने के मामले में पुरुष महिलाओं की तुलना में बौद्धिक रूप से थोड़े कम विनम्र होते हैं। एक अप्रकाशित अध्ययन बताता है कि बौद्धिक विनम्रता पर शिक्षा का जरूर असर पड़ता है। जितनी अधिक गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा कोई प्राप्त करता है, वह बौद्धिक रूप से उतना ही अधिक विनम्र होता हैं, इस अर्थ में कि वह उन सभी सूचनाओं को पहचानना शुरू कर देता है जिनके बारे में उसे कोई जानकारी नहीं होती। हालांकि स्कूली शिक्षा सामान्यत: बौद्धिक विनम्रता को बढ़ाती है किन्तु वह उन क्षेत्रों में बौद्धिक विनम्रता को कम भी कर देती है जिनमें हम विशेषज्ञता हासिल करते हैं। सामान्यजन की तुलना में एक विशेषज्ञ अपने विश्वासों के बारे में अधिक आश्वस्त होता है। इसलिए विशेषज्ञता और विशिष्टता के क्षेत्रों की बात आती है तो वहां बौद्धिक विनम्रता कम हो जाती है। अध्येता मानते हैं कि बौद्धिक विनम्रता विकसित की जा सकती है। इसके लिये बस यह पहचानना होता है कि मैं गलत हो सकता हूं। जब हम महसूस करने लगते हैं कि हम सभी में यह प्रवृत्ति होती है कि हम कितने सही हैं, इसे बढ़ा-चढ़ाकर आंकते हैं, तो हम अपने आप को जांचने की कोशिश करना शुरू करने लगते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम बस झुक जाएं और कहें, "ठीक है, मैं हार मान लेता हूं, मैं गलत हूं।" वास्तव में इसका मतलब यह है कि हम अपनी मान्यताओं पर थोड़ा कम आत्मविश्वास से रखें और अधिक कारणों की तलाश करें।

अध्येता मानते हैं कि बौद्धिक विनम्रता विकसित की जा सकती है। इसके लिये बस यह पहचानना होता है कि मैं गलत हो सकता हूं। जब हम महसूस करने लगते हैं कि हम सभी में यह प्रवृत्ति होती है कि हम कितने सही हैं, इसे बढ़ा-चढ़ाकर आंकते हैं, तो हम अपने आप को जांचने की कोशिश करना शुरू करने लगते हैं।

अध्येताओं की राय है कि रोल मॉडलिंग के माध्यम से भी लोगों में बौद्धिक विनम्रता बढ़ाई जा सकती है। जैसे स्कूल की कक्षाओं में, शिक्षकों का छात्रों के प्रश्न पूछने पर खुले तौर पर स्वीकार करना कि, 'मैं नहीं जानता।' या यह उत्तर देना कि, "मैं इस बारे में गलत हो सकता हूं। मैंने वास्तव में इस पर गहराई से ध्यान नहीं दिया है। बौद्धिक विनम्रता वास्तव में कमजोरी की बजाय परिपक्वता और बुद्धिमत्ता की निशानी है। खुली मानसिकता और बौद्धिक विनम्रता में निकटता का संबंध होता है। बौद्धिक विनम्रता में हमारे पास पहले से मौजूद विश्वास और इस संभावना को शामिल करना शामिल है कि हम गलत हो सकते हैं। दूसरी तरफ हम उन चीज़ों के बारे में खुले विचारों वाले हो सकते हैं जिनके बारे में हमने पहले कभी नहीं सोचा था, और उसे पहली बार सुन रहे होते हैं और उसे स्वीकार करने को तैयार हैं। मगर इसमें कोई विनम्रता नहीं है क्योंकि ऐसा नहीं है कि आप किसी अन्य तरीके से विश्वास कर रहे थे कि आप इसके बारे में सही थे, और अब आप इस संभावना पर विचार कर रहे हैं कि आप गलत हो सकते हैं। अध्येता इस बात पर भी सतर्क हैं कि बहुत अधिक बौद्धिक विनम्रता रोजमर्रा की जिंदगी में किसी को पंगु न बना दे। बहुत से लोग कहते भी हैं कि मैं बौद्धिक रूप से विनम्र नहीं होना चाहता क्योंकि इसका मतलब है कि मैं आशाहीन होने जा रहा हूं। मैं चीजों पर कोई स्टैंड नहीं लूं। मगर शोध में अध्यायनकर्ताओं को ऐसा नहीं मिला। इसका कारण यह है कि बौद्धिक विनम्रता तीन चीजों पर आधारित होती है। एक तो यह कि मेरे पास वह सारी जानकारी नहीं है जो मुझे चाहिए। दूसरी संभावना यह कि मेरे पास बहुत सारी जानकारी है, लेकिन वह जानकारी इस तरह से पक्षपातपूर्ण हो सकती है कि मैं उसको नहीं मान सकता, और तीसरा यह कि शायद मेरे पास इसमें शामिल सभी साक्ष्यों को वास्तव में समझने की पृष्ठभूमि या क्षमता नहीं है। यह विश्वास की वैधता का एक बहुत ही तार्किक मूल्यांकन है। ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जिन पर हम इसलिए विश्वास करते हैं और मानते हैं क्योंकि किसी विशेषज्ञ ने हमें वैसा बताया है, इसलिए नहीं कि हमने वास्तव में उसका पता लगाया है। बौद्धिक रूप से विनम्र लोग अपनी जानकारी की वैधता की खोज में लगते हैं क्योंकि उन्हें सिर्फ इसलिए नहीं झुकना है क्योंकि कोई और कहता है कि आप गलत हैं। वास्तव में अन्य लोगों की बातों में नहीं आते हुए भी बौद्धिक रूप से पूरी तरह विनम्र हुआ जा सकता है। यह समझ हो जाना ही काफी है कि हमारे सोच की दुनिया वैसी है, क्योंकि यही हमें सिखाया गया है जो कि जरूरी नहीं कि सच हो।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

देवी-देवताओं की सवारियां

प्रो. अशोक कुमार

विभिन्न देवताओं की सवारियों के बारे में जानकारी कई धर्मों और संस्कृतियों में पाई जाती है। ये सवारी, देवता के स्वरूप, शक्तियों और गुणों को दर्शाती हैं। हालांकि, इनके बारे में कोई एकल, सर्वसम्मति से स्वीकृत तथ्य नहीं है, क्योंकि ये अक्सर धार्मिक ग्रंथों, लोककथाओं और कलाकृतियों की व्याख्या पर आधारित होते हैं।

कुछ प्रमुख देवताओं और उनके वाहनों के बारे में जानें:–

शिवजी का वाहन नंदी (बैल) है। नंदी धैर्य, शक्ति और स्थिरता का प्रतीक है। यह शिवजी के शांत और शक्तिशाली स्वभाव को दर्शाता है। विष्णु जी का वाहन गरुड़ है। गरुड़ एक पौराणिक पक्षी है जो ज्ञान, वीरता और निष्ठा का प्रतीक है। यह विष्णु जी के सर्वव्यापी और संरक्षक स्वभाव को दर्शाता है। दुर्गा माता की सवारी शेर है। शेर शक्ति, साहस और क्रोध का प्रतीक है। यह दुर्गा माता के रौद्र रूप को दर्शाता है। गणेश जी की सवारी चूहा है। चूहा बुद्धि, विवेक और बाधाओं को दूर करने की क्षमता का प्रतीक है। यह गणेश जी की बुद्धिमान और बाधाओं को दूर करने वाले स्वभाव को दर्शाता है। कार्तिकेय का वाहन मयूर है। मयूर सौंदर्य, गर्व और युद्ध का प्रतीक है। यह कार्तिकेय के युद्ध देवता होने के रूप को दर्शाता है। लक्ष्मी माता की सवारी उल्लू है। उल्लू ज्ञान और धन का प्रतीक है। यह लक्ष्मी माता के धन की देवी होने के रूप को दर्शाता है।

वाहनों का महत्व:–प्रत्येक वाहन देवता के स्वभाव और गुणों का प्रतीक है। वाहन देवताओं की पूजा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वाहनों को मूर्तियों, चित्रों और मंदिरों में व्यापक रूप से चित्रित किया जाता है।

क्यों विभिन्न देवताओं के अलग-अलग वाहन हैं? प्रत्येक देवता का एक विशिष्ट स्वभाव होता है, और उस स्वभाव को दर्शाने के लिए एक विशिष्ट वाहन चुना जाता है। प्रत्येक देवता की अलग-अलग शक्तियां होती हैं, और उन शक्तियों को दर्शाने के लिए एक विशिष्ट वाहन चुना जाता है।

कथाएं:– कई वाहनों से जुड़ी पौराणिक कथाएं हैं जो देवता और वाहन के बीच के संबंध को दर्शाती हैं। गणेश जी छोटे-से चूहे पर सवार होते हैं। आपके मन में भी यह ख्याल आया होगा कि आखिर गणेश जी ने मूषक को ही अपना वाहन क्यों बनाया। दरअसल भगवान गणेश द्वारा चूहे को अपना वाहन बनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं मिलती हैं। तो चलिए जानते हैं इसका कारण।

1. समुद्र मंथन की कथा :– जब देवताओं और असुरों ने समुद्र मंथन किया था, तब उसमें से कई रत्न निकले थे। इन रत्नों में से एक था हलाहल विष। यह विष इतना जहरीला था कि अगर कोई इसे पी लेता तो सारा संसार नष्ट हो जाता। तब भगवान शिव ने इस विष को पी लिया, लेकिन यह उनके गले में फंस गया। तब माता पार्वती ने गणेश जी को बुलाया और कहा कि वे जाकर भगवान शिव के गले से विष निकाल दें। गणेश जी ने तुरंत भगवान शिव के पास जाकर विष पी लिया, लेकिन उनकी गर्दन नीली पड़ गई। इसी दौरान एक चूहा गणेश जी के पैर पर चढ़ गया और विष को चाटने लगा। गणेश जी ने चूहे को रोकने की कोशिश की, लेकिन चूहा विष पी गया और मर गया। गणेश जी बहुत दुखी हुए और उन्होंने चूहे को पुनर्जीवित कर दिया। तब से चूहा गणेश जी की सवारी बन गया।

2. मुनि वामदेव ने दिया श्राप :–पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार इंद्र देव के दरबार में एक क्रौंच नामक गंधर्व था। जब इंद्र का दरबार चल रहा था, तो क्रौंच हंसी ठिठोली में लगा हुआ था, जिससे दरबार में बाधा उत्पन्न होने लगी। अपनी मस्ती में मस्त क्रौंच ने मुनि वामदेव के ऊपर पैर रख दिया। इससे मुनिदेव क्रोधित हो उठे और क्रौंच को चूहा बनने का श्राप दे दिया। चूहा बनने के बाद भी वह नहीं सुधरा और उसने पराशर ऋषि के आश्रम में बहुत उत्पात मचाया। चूहे के आतंक से परेशान होकर ऋषि, भगवान गणेश की शरण में पहुचे और उन्हें सारी बात बताई। तब भगवान गणेश ने उस उत्पाती चूहे को सबक सिखाने के लिए पाश फेंका, जिसमें वह फंस गया। इसके बाद वह गणेश जी से क्षमायाचना करने लगा, जिससे गणेश जी को उस पर दया आ गई और उसे अपना वाहन बना लिया।

3. गजमुख दानव और गणेश जी :–एक समय की बात है, एक बहुत बड़ा दानव था जिसका नाम गजमुख था। वह बहुत शक्तिशाली था और सभी देवताओं को परेशान करता था। सभी देवता गजमुख से डरते थे, लेकिन गणेश जी ने उसका सामना करने का निश्चय किया। एक भयंकर युद्ध हुआ, जिसमें गणेश जी का एक दांत टूट गया, फिर गणेश जी को इतना गुस्सा आया और उन्होने गजमुख को पराजित कर दिया। गजमुख गणेश जी की शक्ति से बहुत प्रभावित हुआ और उनका भक्त बन गया। गणेश जी ने गजमुख को एक वरदान दिया कि वह हमेशा उनके साथ रहेगा। धीरे-धीरे, गजमुख का रूप बदलकर चूहे का हो गया और वह गणेश जी की सवारी बन गया।

भगवान गणेश द्वारा एक छोटे और दुर्बल जीव को वाहन बनाने के पीछे यह भी है कि गणेश जी कमजोर और दुर्बलों पर कृपा करते हैं। यही कारण है कि एक छोटे से चूहे पर कृपा कर उन्होंने उसे अपने वाहन के रूप में स्वीकार किया। साथ ही उसे इतना प्रबल बनाया कि वह गणेश जी का भार उठा सके। साथ ही गणेश जी का चूहे को वाहन बनाना इस बात का भी संकेत है कि संसार में कभी किसी को छोटा या तुच्छ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि हर किसी की अपनी एक उपयोगिता और क्षमता है।

लक्ष्मी जी को धन की देवी माना जाता है और उल्लू को उनका वाहन माना जाता है। यह एक ऐसा संयोग है जो कई लोगों को आश्चर्यचकित करता है। आखिरकार, उल्लू को अक्सर बुराई और अंधकार से जोड़ा जाता है। तो फिर लक्ष्मी जी ने उल्लू को अपना वाहन क्यों चुना? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए हमें एक पौराणिक कथा की ओर जाना होगा।

पौराणिक कथा:– एक बार माता लक्ष्मी पृथ्वी पर घूम रही थीं। वे एक ऐसे स्थान की तलाश में थीं जहां वे निवास कर सकें। उन्होंने चारों ओर देखा, लेकिन उन्हें कोई भी ऐसा पशु या पक्षी नहीं मिला जो उन्हें अपना वाहन बनने के लिए तैयार हो। तभी उन्होंने एक उल्लू को देखा। उल्लू अंधेरे में भी बहुत अच्छी तरह देख सकता था। वह बहुत ही बुद्धिमान और चालाक था। माता लक्ष्मी ने उल्लू से कहा, 'तुम मेरा वाहन बनोगे?' उल्लू ने तुरंत हां कर दी।

उल्लू को वाहन क्यों चुना?

उल्लू को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। माता लक्ष्मी ज्ञान और बुद्धि की देवी भी हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक बनाया। उल्लू अंधेरे में भी बहुत अच्छी तरह देख सकता है। यह उसकी दूरदर्शिता का प्रतीक है। माता लक्ष्मी भविष्य को देख सकती हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर दूरदर्शिता का प्रतीक बनाया। उल्लू शांत और एकांत स्थानों पर रहना पसंद करता है। यह शांति और एकांत का प्रतीक है। माता लक्ष्मी भी शांति और एकांत को पसंद करती हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर शांति और एकांत का प्रतीक बनाया।

आधुनिक दृष्टिकोण:– आज के समय में, उल्लू को बुराई और अंधकार से जोड़ना एक गलत धारणा है। उल्लू एक बहुत ही बुद्धिमान और सुंदर पक्षी है। माता लक्ष्मी ने उल्लू को अपना वाहन बनाकर यह संदेश दिया कि हमें हर चीज को उसके अच्छे और बुरे पहलुओं के साथ देखना चाहिए।

निष्कर्ष:– लक्ष्मी जी ने उल्लू को अपना वाहन इसलिए चुना क्योंकि उल्लू ज्ञान, दूरदर्शिता, शांति और एकांत का प्रतीक है। यह एक ऐसा संदेश है जो हमें आज भी प्रासंगिक लगता है।

दुर्गा माता की सवारी शेर क्यों है? : दुर्गा माता को शेर पर सवार दिखाया जाता है, इसके पीछे कई धार्मिक और प्रतीकात्मक कारण हैं। शेर को शक्ति, साहस और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। दुर्गा माता भी शक्ति की देवी हैं। शेर पर सवार होकर वे अपनी शक्ति और साहस को प्रदर्शित करती हैं। दुर्गा माता ने असुरों का वध किया था। शेर, एक शक्तिशाली जानवर होने के कारण, इस पौराणिक कथा में दुर्गा माता की शक्ति को दर्शाता है। शेर विजय का प्रतीक भी माना जाता है। दुर्गा माता का शेर पर सवार होना, बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है। प्राचीन काल में शेर को राजाओं का वाहन माना जाता था। दुर्गा माता को देवताओं की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है और इसीलिए उन्हें शेर पर सवार दिखाया जाता है।

कुछ अन्य कारण भी हैं:–

शेर की गति: शेर एक तेज गति वाला जानवर है। यह दुर्गा माता की गतिशीलता और तेजी को दर्शाता है।

शेर की दृष्टि: शेर की तीखी दृष्टि बुराई को पहचानने और उसका नाश करने की क्षमता को दर्शाती है।

निष्कर्ष:– दुर्गा माता का शेर पर सवार होना, उनकी शक्ति, साहस, विजय और राजसी स्वभाव को दर्शाता है। यह एक गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है जो भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति गोरखपुर,
कानपुर विश्वविद्यालय

अजमेर डिस्कॉम ने 17 जिलों में अभियान चलाकर 1258 जगह बिजली चोरी पकड़ी

डिस्कॉम ने 2.75 करोड रुपए जुर्माना लगाया, 597 जगहों पर बिजली का गलत इस्तेमाल मिला

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने डिस्कॉम के सभी 17 जिलों में बिजली चोरों के खिलाफ अभियान की शुरुआत इस माह से कर दी है। निगम द्वारा चलाए जा रहे बिजली चोरों के विरुद्ध अभियान के तहत डिस्कॉम टीम ने 8602 जगहों पर सतर्कता जांच की, इनमें 1258 जगहों पर बिजली चोरी पकड़ी गई, जिन पर 2 करोड़ 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अभियान में 597 मामले विद्युत के गलत इस्तेमाल के दर्ज किए हैं, इन पर 99.85 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया है।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशक केपी वर्मा ने बताया कि डिस्कॉम ने बिजली चोरों को सबक सिखाने और राजकोष को घाटा पहुंचाने से रोकने के लिए बिजली चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में और अधिक तेजी लाई गई है। उन्होंने बताया कि डिस्कॉम ने इस साल 10 प्रतिशत से कम बिजली छीजत का लक्ष्य रखा है। इसके लिए अजमेर डिस्कॉम की विजिलेंस विंग को इस अभियान में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए है।

■ डिस्कॉम द्वारा बिजली चोरों को सबक सिखाने और राजकोष को घाटा पहुंचाने से रोकने के लिए अभियान में और अधिक तेजी लाई गई है : वर्मा

जनसम्पर्क अधिकारी सतीश सोनी ने बताया कि डिस्कॉम की टीम में सबसे अधिक चित्तौडगढ़ जिले के अभियंताओं ने 188 विद्युत चोरी के मामले पकड़े जिन पर 39.53 लाख रुपए जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त अजमेर सर्किल में 20, ब्यावर में 16, केकड़ी में 13, भीलवाड़ा में 116, शाहपुरा में 42, नागौर में 60, डीडवाना कुचामन में 99, झुंझनू में 186, सीकर में 147, नीम का थाना में 113, बांसवाड़ा में 76, डुंगरपुर में 59, प्रतापगढ़ में 56, राजसमंद में 12, उदयपुर में 49 व सलूम्बर सर्किल में 6 मामले विद्युत चोरी के पकड़े। सभी बिजली चोरों पर कुल 2 करोड़ 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है, इसके अतिरिक्त डिस्कॉम ने 597 जगह विद्युत के गलत इस्तेमाल के मामले दर्ज किए, जिसका 99.85 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया गया।

गुलाब बाग को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की पहल

उदयपुर कलेक्टर पोसवाल ने जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक ली

उदयपुर, (निसं)। जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में समिति अध्यक्ष और जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शहर की ऐतिहासिक व प्राकृतिक धरोहर गुलाब बाग को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने को लेकर प्रस्ताव करने का निर्णय लिया गया। जिला कलेक्टर ने नगर निगम और पर्यटन विभाग को संयुक्त रूप से प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान तैयार करने, शहर में एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने, सूचना केन्द्र के ओपन थियेटर को लोक कलाकारों की प्रस्तुति के लिए तैयार करने सहित पर्यटन विकास व पर्यटकों की सुविधाओं को लेकर सुझावों पर चर्चा भी की गई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, युडीए आयुक्त राहुल जैन, स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एसीईओ कृष्णपालसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माधुरी वर्मा, पीएचईडी अधीक्षण अभियंता अनिल गर्ग, परिवहन अधिकारी अनिल सोनी सहित अन्य अधिकारी, होटल एसोसिएशन व गाइड एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर पोसवाल की पहल पर उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तैयार कराने का प्रस्ताव रखा। उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना ने कहा कि ट्यूरिज्म मास्टर प्लान समय की मांग है, यदि उदयपुर में मास्टर प्लान तैयार किया जाता है तो यह प्रदेश का पहला जिला होगा। बैठक में एक निजी फर्म की ओर से मास्टर प्लान की आवश्यकता को लेकर तैयार पीपीटी का प्रजेंटेंशन भी दिया। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को लेकर भी एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई। जिला कलेक्टर ने शहर के किसी भी एक स्थल का चयन कर एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

■ उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तैयार कराने का प्रस्ताव रखा

बैठक में कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने पर्यटकों के मनोरंजन के लिए शहर में विविध स्थलों पर लोक कलाकारों के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बारे में जानकारी ली। पोसवाल ने सूचना केंद्र में बने ओपन थियेटर का जिक्र करते हुए कहा कि बहुत अच्छा स्थल है, यहां पहले फिल्म गाइड के गीत की शूटिंग भी हो चुकी है। यूडीए के माध्यम से विकास कार्य भी कराया गया है। उन्होंने ओपन थियेटर में पश्चिम सांस्कृतिक केंद्र व लोक कला मण्डल की तर्ज पर पर्यटकों के लिए नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव देते हुए उसके लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर की पहल पर पिछले वर्ष दीपावली पर शहर में की गई विद्युत सज्जा की सभी सदस्यों ने प्रशंसा करते हुए इस बार भी पहल को जारी रखने का आग्रह किया। इस पर जिला कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि इस बार दीपावली पर नवाचार करते हुए आकर्षक विद्युत सज्जा कराई जाएगी। कलेक्टर पोसवाल ने पर्यटन सीजन के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष प्रयासों के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन को लेकर प्लानिंग की जाए। यातायात प्रभारी नेत्रपालसिंह ने बताया कि पर्यटन सीजन के दौरान शहर में अनुमानित रूप से 15 से 20 हजार अतिरिक्त वाहन आते हैं। यातायात नियंत्रण के लिए अतिरिक्त जाब्ते की दरकार रहेगी। जिला कलक्टर ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर पोसवाल ने नगर निगम और पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए प्रस्तावित हेरिटेज वॉक को प्रमोट करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पर्यटकों को लपकों की ओर से परेशान किए जाने की सूचना पर पर्यटन थाना प्रभारी कर्मवीरसिंह को लपकों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस पर थाना प्रभारी ने नियमित रूप से की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया। जिला कलेक्टर ने परिवहन विभाग को ऑटो रिक्शा चालक एसोसिएशन के साथ बैठक कर उनकी रेट रिवाइज कराकर मीटर का उपयोग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। शहर के रात्रि के समय पर्यटकों के लिए भोजन आदि की समस्या के मद्देनजर शहर में कुछ स्थल चिन्हित करने तथा पुलिस अधीक्षक से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था करने की बात कही।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 9 अक्टूबर, 2024

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र गुरूवार प्रात: 5:15 तक, सौभाग्य योग प्रात: 6:36 तक, तैतिल करण दिन 12:15 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से गुरूवार प्रात: 5:15 तक है। आज गुरू वक्री दिन 12:35 से होगा। आज छठ पूजन और मेला है। आज सरस्वती आवाह्न, तप षष्ठी है। आज से जैन ओली आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:47 से 12:14 तक, चर 3:08 से 4:35 तक, लाभ 4:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:01

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। मन का भय दूर होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कन्या

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

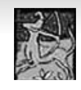

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में संतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हैट्रिक पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ खुशी मनाई। भाजपा की विजय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वयं जलेबी बनाकर खिलाई।

भजनलाल के नेतृत्व में हरियाणा की जीत का भारी हर्षोल्लास दिखा भाजपा मुख्यालय पर

भजनलाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीत की खुशी में अपने हाथ से जलेबियाँ बनाकर खिलाईं

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियाणा की भारी जीत के लिये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा भाजपा की पूरी टीम, हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ तथा राजस्थान के कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की व बधाई दी।**

जयपुर, 8 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब देते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के विज़न पर फिर से विश्वास जताया है। वहां के जागरुक मतदाता ने विकसित भारत, विकसित हरियाणा के लिए वोट देकर बड़े जनादेश के साथ भाजपा को जिताया है। इसके लिए वहां की जनता बधाई की पात्र है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं और जो करते हैं, वही कहते हैं। इसलिए पूरे देश की जनता में उनके प्रति अटूट विश्वास है। जबकि, कांग्रेस लूट, झूठ और अफवाहों का सहारा लेकर राजनीति करती है। आज हरियाणा की जनता ने कांग्रेस की इस राजनीति को नकार कर करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए गया था, तो वहां की जनता के भारी उत्साह को देखकर मैंने साफ कहा था कि हरियाणा में भाजपा की जीत की हैट्रिक बनेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में होने जा रहे चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी जीत हासिल करेगी। यहां तक कि, 2029 के लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा चौथी बार भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा भाजपा की पूरी टीम को इस जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ और राजस्थान के कार्यकर्ताओं को भी हरियाणा चुनाव में की गई अथक मेहनत के लिए धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने जिन विधानसभा सीटों पर प्रचार किया, उनमें से असंध में भाजपा 2 हजार 306 मतों से, समालखा में 19 हजार 315 मतों से, तोशाम में 14 हजार 257 मतों से, इन्द्री में 15 हजार 149 मतों से, राई में 4 हजार 673 मतों से विजयी रही, जबकि लोहारू में कांग्रेस ने केवल 792 मतों से जीत हासिल कर पाई।

नियमों में संशोधन कर राजस्व प्रकरण जल्दी निपटायें- मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के नियम विरुद्ध भू-आवंटन पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये

■ **राजस्व व उपनिवेशन विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीनेट अथॉरिटी के कामकाज पर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये।**

■ **उन्होंने पर्यटन तथा एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजैक्ट के लिये निःशुल्क ऑनलाइन डीम्ड कंवर्ज़न के नियम बनॉने के आदेश दिये।**

जयपुर, 8 अक्टूबर। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैटक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग जमीनों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाएं, ताकि आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन करने एवं नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

उन्होने कहा कि पटवारी, गिरदावर, नायब तहसीलदार आदि की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व संबंधी प्रकरणों का एक निश्चित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीलेट अथॉरिटी की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करते हुए, इसके सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को एक कार्ययोजना प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के समय में नियम विरूद्ध किए गए जमीन आवंटनों के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने पर्यटन एवं एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजेक्ट के लिए निःशुल्क ऑनलाइन डीम्ड कन्वर्जन के सुसंगत नियम बनाने के निर्देश दिए, ताकि वर्तमान में मिल रही कन्वर्ज़न छूट का दुरूपयोग न हो। शर्मा ने वनप्रत्यावर्तन के क्रम में गैर वन भूमि के शीघ्र आवंटन के लिए एक लैण्ड बैंक स्थापित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 9 से 11 दिसम्बर, 2024 तक जयपुर में "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" का आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन से निवेश का नया वातावरण तैयार होगा और प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव आएगा। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भूमि आवंटन पोर्टल पर बड़े भू-भागों की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं, जिससे इच्छुक निवेशक को उद्योग लगाने में सुविधा मिल सके।

शर्मा ने कहा कि आवेदकों को त्वरित सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से नामांतरण पोर्टल एवं रेवेन्यू लैण्ड कन्वर्ज़न पोर्टल संचालित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सूचना तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है, जिसके माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ भी मिला है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पटवारी एग्रीटैक ऐप के माध्यम से ई-गिरदावरी कर रहे हैं।

बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा एवं राज्य मंत्री विजय सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन दिनेश कुमार, राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष हेमन्त कुमार गैरा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मंदिर से घर आते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर हमला कर दिया। पैंथर के हमले से दोनों बाइक से गिर गए, लेकिन सड़क पर अन्य वाहनों की आवाज से पैंथर भाग गया।

हमले के शिकार साकरोदा निवासी महेन्द्र सिंह ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ आशापुरा माताजी मंदिर के दर्शन करने गए थे। रात करीब 9 बजे बाइक से घर लौटते समय माताजी मंदिर के पास ही साकरोदा-भल्लो का गुडा मार्ग पर पहाड़ी की झाड़ियों में से निकलकर अचानक पैंथर ने उनकी बाइक पर झपट्टा मार दिया।

पैंथर बाइक के आगे के मास्क से टकराया और पति-पत्नी नीचे गिर गए। महेद्र सिंह ने बताया कि पैंथर उनकी तरफ बढ़ता उससे पहले ही रोड पर कुछ लोग आ गए।

उनके शोर मचाने से पेंथर भाग गया। दोनों के हाथ -पैरों पर हल्की चोट आई हैं और बाइक के आगे का मास्क टूट गया है। ग्रामीणों ने इस स्थान पर पिंजरा लगाने की मांग की है। लोगों ने बताया कि पहले भी यहां खेत पर एक महिला पर पैंथर ने हमला कर दिया था, उसके बाद यह दूसरी घटना है।

हरियाणा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रचार के आरम्भ में ही महसूस हो गया था कि उनके व्यक्तिव का जादू काम नहीं कर रहा है, इसलिए उन्होंने पाँच जनसभाओं को सम्बोधित करने के बाद, स्वयं को प्रचार अभियान से दूर कर लिया तथा जन-आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को उभारने के लिये अन्य मन्त्रियों को आगे कर दिया था।

हालाँकि केवल एक राज्य के चुनाव परिणाम व्यापक सन्दर्भ में बहुत ज्यादा अर्थ नहीं रखते, लेकिन हरियाणा के चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये चुनाव भाजपा की हार के लिए पूरा-पूरा आधार प्रस्तुत कर रहे थे। पार्टी एक ऐसे राज्य में लगातार दो बार सत्ता में रह चुकी थी, जहाँ कोई भी पार्टी लगातार तीसरी बार नहीं जीती है। पार्टी को, कृषक-विरोध के बाद, दबदबे वाले जाट समुदाय के विरोध का भी सामना करना था। राज्य के पहलवानों का विरोध भी पार्टी की स्थिति को बहुत खराब करने वाले कारक के रूप में देखा जा रहा था, क्योंकि हरियाणा में खेलों का बहुत ज्यादा महत्व है। भाजपा को चुनावों से ठीक पहले राज्य के शीर्ष पद पर आसीन मनोहर लाल खट्टर को पद से हटाना पड़ा था, क्योंकि वे मतदाताओं में अलोकप्रिय होते जा रहे थे। तथा पार्टी को एक नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना था, जो अपने मुख्य प्रतिद्वन्द्वी, कांग्रेस नेता भूपिन्दर सिंह हुड्डा के कद के समकक्ष नहीं थे। और सबसे ऊपर, एग्ज़िट पोल्स तथा जनमानस एवं जनभावनाएं कांग्रेस के पक्ष में थीं। लोकसभा चुनाव परिणामों, खासतौर से उत्तर प्रदेश के परिणामों, जहाँ भाजपा ने विपक्षी दलों के हाथों बड़ी हार झेली थी, से हतोत्साहित हुए कार्यकर्ताओं के मनोबल में उछाल आने के साथ ही, हरियाणा की जीत से पार्टी की छवि उन मतदाताओं में भी सुधरेगी, जो पिछले कुछ महीनों से भाजपा के पतन तथा इंडिया ब्लॉक के उत्थान के किस्से सुन रहे थे।

दूसरी तरफ, इससे विपक्षी ब्लॉक में भी कुछ वैमनस्य पैदा होगा, क्योंकि विपक्षी ब्लॉक अपनी चुनावी रणनीति तथा सीट-शेयरिंग व्यवस्था पर पुनर्विचार एवं उसका पुनर्मूल्यांकन करने के लिये बाध्य हो जायेगा, क्योंकि कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी के प्रभुत्व को हरियाणा की हार से क्षति पहुँचेगी।

यह स्वीकार करना ही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस को निराशा हाथ लगी।

■ **ऐसा लगा कि प्रदेश के नेताओं की पूरी कोशिश इसी दिशा में लगी कि कैसे हरियाणा की राजनीति के अखाड़े पर उनका एकाधिकार रहे, कोई बाहरी व्यक्ति इस अखाड़े में दखंलदाजी न कर पाये।**

हूडा गुट ने हरियाणा में आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी व अन्य छोटे दलों को साथ लेने से साफ इन्कार कर दिया, यही नहीं पार्टी में भी उन्होंने विरोधियों से तालमेल नहीं किया, जिसकी वजह से भाजपा विरोधी वोट बंट गए। इस समय उन 17 सीटों के डेटा उपलब्ध हैं जहाँ कांग्रेस मामूली अंतर से हारी है। इस हार को जीत में बदला जा सकता था अगर पार्टी ने जमीनी हकीकत और समय की मांग को स्वीकार किया होता।

हूडा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपने इस दावे पर यकीन दिला दिया कि अन्य पार्टियों की मांगे उचित नहीं हैं। इस प्रकार उन्होंने लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के लिए जो अनुकूल माहौल बना था उसे पलट दिया।

प्रदेश नेतृत्व ने हरियाणा को पूरी तरह से अपने पास रखना चाहा और राष्ट्रीय हित के लिए भी अन्य दलों की मांगे स्वीकार नहीं की। प्रदेश नेतृत्व खासकर हूडा पूरी तरह जाट वोटों पर निर्भर रहे, उन्होंने ओ.बी.सी. और दलित वोट बैंक की पूर्ण अनदेख की।

पार्टी में जो खुशी का माहौल था वह मंगलवार सुबह नतीजे आने के साथ ही दुख में बदलने लगा और दोपहर तक जब स्पष्ट हो गया कि पार्टी हार रही है तो पार्टी मुख्यालय में मायूसी छा गई।

कांग्रेस को भारी जीत की उम्मीद थी, जिसकी भविष्यवाणी एग्ज़िट पोल्स ने भी की थी। सुबह 9 बजे जब शुरुआती रुझानों में कांग्रेस आगे चल रही थी तब पार्टी मुख्यालय पर पार्टी कार्यकर्ता पटाखे चला रहे थे और जलेबी बांट रहे थे, पर 10 बजे जब रुझानों में भाजपा के आगे निकलने की बात सामने आई तो ढोल, मिठाई पटाखे सब गायब हो गया। नेताओं के चेहरे पर मायूसी छाई हुई थी।

पार्टी ऑफिस में कुछेक नेता और मीडिया वाले ही थे, कुछ नेता इस हार के लिए ई.वी.एम. को दोषी ठहराते हुए दिखे तो कुछ ने टिकट वितरण को दोषी ठहराया, पर इस हार पर सभी हैरान थे।

एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा, भारी सत्ता विरोधी लहर थी, हमें यकीन नहीं हो रहा आखिर ये क्या हुआ।

ओलम्पिक खिलाड़ी पहलवान विनेश फोगाट जीत गईं, उन्होंने जुलाना से अपने विरोधी भाजपा के योगेश कुमार को हराया।

मंगलवार दिन में दो बजे भाजपा 47 सीटों पर आगे थी और कुछ पर जीत गई थी, कांग्रेस 38 सीटों पर आगे थी। कई एग्ज़िट पोल्स ने हरियाणा में कांग्रेस की शानदार जीत की भविष्यवाणी की थी।

जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस को निराशा मिली हैं। हालांकि, नैशनल कॉन्फ्रैंस को बहुमत मिला है, पर कांग्रेस 6 सीटें ही जीत पाई।

अन्ततोगत्वा कांग्रेस को यह स्वीकार करना होगा कि भाजपा चुनाव प्रबंध कांग्रेस से काफी बेहतर है और कांग्रेस में भारी गुटबाजी है।

जम्मू-कश्मीर में नैशनल कॉन्फ्रैंस-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया

नैशनल कॉन्फ्रैंस ने 42 सीटें जीतीं, सहयोगी कांग्रेस 6 सीट ही जीत पाई

श्रीनगर/जम्मू, 08 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के हटने और एक दशक के बाद हुए विधानसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.)-कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया है।

केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा की 90 सीटों में से एन.सी.-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं, जिससे बहुमत का आंकड़ा 46 पार हो गया। वरिष्ठ राजनेता फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में एन.सी. ने 42 सीटें हासिल कीं, जिनमें कश्मीर क्षेत्र से 35 और जम्मू से सात सीटें शामिल हैं। कश्मीर घाटी में एन.सी. ने 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था। एन.सी. के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बडगाम और गंदेरबल, दोनों सीटों पर जीत हासिल की है।

चुनाव नतीजों पर टिप्पणी करते हुए एन.सी. अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये केन्द्र के पांच अगस्त, 2019 के कदम (जिसने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था) की स्पष्ट अस्वीकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री होंगे। विधानसभा चुनावों में एन.सी. की सहयोगी कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया है और पार्टी सिर्फ छह सीटें ही जीत सकी है, जिनमें से पांच कश्मीर क्षेत्र से आईं। जम्मू में कांग्रेस ने सबसे खराब प्रदर्शन किया और पार्टी केवल राजौरी (एस.टी.) सीट जीतने में सफल रही। इसकी तुलना में कांग्रेस ने 2014 के चुनावों में जम्मू से पांच सीटें जीती थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू में अपना प्रभुत्व बनाए रखा है। पार्टी ने जम्मू क्षेत्र से 29 सीटें जीती हैं। पार्टी कश्मीर से एक भी सीट जीतने में विफल रही। भगवा पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण उलटफेर तब हुआ, जब भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नौशेरा से अपनी सीट हार गए।

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्तों को 20 साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विजया पारीक ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता के भाई ने 1 फरवरी 2020 को विराट नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी बहन का साल 2005 में विवाह कर दिया था। वहीं, बीते 8 माह से वह अपने पीहर में ही आकर रह रही थी। आज सुबह जब परिजन उठे तो पीड़िता घर पर नहीं मिली। उसे आसपास और रिश्तेदारों के यहाँ तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को करीब 25 दिन बाद गिरफ्तार कर अदालत में चालान पेश किया।

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के कुछ दिनों पहले उसका परिचित कानाराम घर आया था। उस समय वह बिना किवाड़ के बाथरूम में नहा रही थी और घर पर कोई नहीं था। इस दौरान कानाराम ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया।

इसके कुछ दिनों बाद, कानाराम, विक्रम सिंह के साथ आया और दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि 31 जनवरी, 2020 को देर रात को विक्रम ने उसे फोन कर बाहर बुलाया और इसके बाद वह और मुकेश उसे बाइक पर बैठाकर गिर्राज जी ले गए।

यहां धर्मशाला में दोनों ने उससे दुष्कर्म किया। इसके दो दिन बाद, वे उसे जयपुर के पांच्यावाला ले गए। वहां उसे एक कमरे में रखा गया। जब मुकेश बाहर जाता तो विक्रम उससे दुष्कर्म करता और विक्रम के बाहर जाने पर मुकेश उससे रेप करता। ऐसा करीब बीस दिन तक चला और आखिर में पुलिस आकर उन्हें ले गई।

50 सीनियर डॉक्टरों ने इस्तीफा दिया

कोलकाता, 8 अक्टूबर। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को सामूहिक इस्तीफे दिए गए। 50 सीनियर डॉक्टर्स ने आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के समर्थन में रिजाइन कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में कई डिपार्टमेंट और उनके हेड्स की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में इस्तीफा देने का फैसला लिया गया।

जाट-नॉन जाट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभव नहीं है क्योंकि वोटिंग मशीनें जनता से दूर सुरक्षित स्थानों पर थीं) वहाँ भाजपा जीती, जबकि, जहाँ ई.वी.एम. बैटरी 60 से 70 प्रतिशत थी, वहाँ कांग्रेस जीती है।

भाजपा ने कहा, जब भी कांग्रेस हारती है, वो ऐसे ही आरोप लगाती है।

पार्टी के अंदर आपसी मतभेदों ने भी बड़ी भूमिका निभाई। वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री की दौड़ में लगे रहे, कुमारी सैलजा रुठी रहीं और चुनाव अभियान में शामिल नहीं हुई क्योंकि उन्हें हूडा से कम टिकट मिले थे।

कांग्रेस के कई नेता, पार्टी के दलित वोट दूर जाने के लिए सैलजा को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं। जबकि, सैलजा का आरोप है कि हूडा जिम्मेवार है क्योंकि उन्होंने सब कुछ अपने हाथ में ही रखा।

जम्मू में कांग्रेस ने भाजपा से समझौते कर खुद को ही नुकसान पहुंचाया। यहां कांग्रेस के कई नेताओं के खिलाफ केस चल रहे हैं और वे भाजपा के साथ मेलजोल रखे हुए।

ए.आई.सी. महासचिव भरत सिंह सोलंकी ने तो कथित रुप से पूरी तरह से भाजपा का ही कहा मान रहे थे और उन्होंने ऐसे प्रत्याशियों को टिकट दिया जिससे भाजपा को फायदा हो।

कांग्रेस नेता गुलाम मोहम्मद मीर ने भी संदिग्ध भूमिका निभाई क्योंकि वे मुख्यमंत्री बनना चाहते थे और उन्हें पार्टी को गुमराह किया।

अब समय आ गया है कि राहुल गांधी बैठकर विचार करें कि पार्टी में कहां गड़बड़ हो रही है। लोकसभा चुनावों से जो फायदा मिला है वह हाथ से निकल जो इससे पहले ठोस कदम उठाना होगा। हरियाणा की हार कांग्रेस का भारी नुकसान है इसका असर झारखंड और महाराष्ट्र पर भी पड़ सकता है।

दो अमरीकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर्टिफीशियल न्यूरल नैटवर्क्स के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए दिया गया है।

नोबल एकेडमी ने अपने बयान में कहा कि इन वैज्ञानिकों ने अपनी खोज में फीजिक्स के टूल्स का इस्तेमाल किया है। होपफील्ड ने प्रिंसटन युनिवर्सिटी में अपना शोध किया। उन्होंने नैटवर्क विकसित किया जो डेटा में तस्वीरों व अन्य पैटर्न को सुरक्षित रख सकता और रीक्रिएट कर सकता है। इसे होपफील्ड नैटवर्क नाम दिया गया है।

होपफील्ड नैटवर्क भौतिकी पर आधारित है, विशेष रुप से यह बताता है परमाणुओं के अंदर छोटे चुंबक कैसे व्यवहार करते हैं।

ज्यॉफ्री हिंटन युनिवर्सिटी ऑफ टॉरंटो के हैं, उन्होंने हॉपफील्ड नैटवर्क का प्रयोग करके एक नया नैटवर्क विकसित किया जो एक अलग मैथड बोल्ट्ज़मैन मशीन का प्रयोग करता है। यह विभिन्न आंकड़ों में महत्वपूर्ण विशेषताओं को पहचानना सीखती है।

कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है हरियाणा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की बातों का उपयोग गलत विचार रखने वाले लोग वहाँ उस प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए कर सकते हैं, जहाँ अभी मतगणना हो रही है, अर्थात अधिकांश मतगणना केन्द्रों में इसका गलत उपयोग हो सकता है।"

चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि सभी सीटों के करीब 25 राउन्डों की मतगणना की जानकारी हर पाँच मिनट पर अपडेट की जा रही है। अपने जवाब में चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि आयोग "गैर जिम्मेदाराना, निराधार तथा अपुष्ट एवं दुर्भावनापूर्ण कथनों को विश्वनीयता प्रदान करने के आपके (रमेश जी के) अप्रत्यक्ष प्रयास को साफ तौर पर खारिज करता है।"

शाम को करीब 5 बजे एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए, रमेश ने कहा, "हरियाणा के परिणाम पूरी तरह अप्रत्याशित, पूरी तरह चौंकाने वाले तथा सहजबोध के प्रतिकूल हैं। ये वास्तविकता के विरुद्ध हैं। ये हरियाणा के लोगों के उस दृढ़ निश्चय के विरोधी हैं, जो उन्होंने बदलाव एवं परिवर्तन के लिए किया था। इन परिस्थितियों में, आज घोषित हुए परिणामों को स्वीकार करना हमारे लिए सम्भव नहीं है। हमने आज हरियाणा में जो कुछ देखा, वह गड़बड़ी की जीत, जनता की इच्छा को नष्ट किए जाने की जीत, तथा पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की हार है। हरियाणा का अध्याय अभी पूरा नहीं हुआ है।" उन्होंने आगे कहा, "आज दोपहर बाद पूरे समय, मैं चुनाव आयोग के सम्पर्क में रहा हूँ। उन्होंने मेरी शिकायतों का उत्तर दिया है। मैंने उस उत्तर का प्रत्युत्तर दिया है। हमें मतगणना की प्रक्रिया तथा हरियाणा के कम से कम तीन जिलों में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन्स (ई.वी.एम.) के कार्य करने के बारे में बहुत गम्भीर शिकायतें मिली हैं। जितनी शिकायतें हमारे पास आ रही हैं, शिकायतें उनसे कहीं बहुत ज्यादा हैं। हम ये सारी जानकारियाँ तथा शिकायतें इकट्ठा कर रहे हैं तथा इन्हें आज या कल चुनाव आयोग के सम्मुख रखेंगे।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी को इस तथ्य को आत्म-परीक्षण की जरूरत है कि उसके 16 वर्तमान विधायक हरियाणा में चुनाव हार गए हैं तथा जम्मू-कश्मीर के चुनाव भी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठजोड़ के चलते ही जीते जा सके हैं, तो उन्होंने उत्तर दिया कि आत्म-निरीक्षण का समय भी आयेगा। लेकिन उन्होंने कहा, "इस समय इसे महत्वपूर्ण चीज पर यह है कि जीत हमसे छीन ली गई है। तन्त्र का दुरुपयोग किया गया है।"

कांग्रेस नेता ने प्रारम्भिक रिपोर्ट्स के आधार पर कहा कि हरियाणा की 12-14 सीटें ऐसी हैं, जहाँ उम्मीदवारों ने गम्भीर प्रश्न उठाये हैं तथा ये प्रश्न मतगणना प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा तथा ई.वी.एम. के काम करने के विषय में हैं। यह पूछे जाने पर, कि क्या पार्टी कानून का सहारा लेगी, रमेश ने कहा कि हम सबसे पहले तो चुनाव आयोग के पास जायेंगे तथा फिर पार्टी विचार करेगी कि उसके क्या करने की जरूरत है। उन्होंने घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, "ई.वी.एम. की व्यवस्था की इन मशीनों की सत्यनिष्ठा तथा स्थानी प्रशासनिक अधिकारियों पर असाधारण दबाव से संबंधित गम्भीर सवाल हैं। हरियाणा में "डबल इंजन" सरकार रही है, इसलिए "डबल इंजन" दबाव है। जो लोग अच्छे-खासे अन्तर से बढ़त लिए हुए थे, वे 50, 100, 250 वोटों से हार गए हैं। यह केवल गड़बड़ी और दबाव के चलते ही हो सकता है।"

प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पार्टी को हिसार, महेन्द्रगढ़ तथा पानीपत जिलों से लगातार शिकायतें मिलती रहीं। उन्होंने नारनौल उम्मीदवार राव नरेन्द्र सिंह का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "जिन ई.वी.एम. मशीनों में 99 प्रतिशत बैटरी थीं, उनके द्वारा दिए गए परिणाम हमारे खिलाफ थे, तथा जिन मशीनों में 60-70 प्रतिशत बैटरी थी तथा जिन्हें स्पर्श नहीं किया गया था, वे सामान्य रूप से काम कर रही थीं तथा उनके परिणामों में हमारे उम्मीदवार विजयी रहे। हमारे उम्मीदवारों ने रिटर्निंग अफसरों को भी शिकायतें दी हैं। हम जल्दी ही चुनाव आयोग जायेंगे। "ये तन्त्र की जीत है, लोकतन्त्र की हार है।" खेड़ा ने आगे कहा, "हमने यह नहीं कहा है कि सभी मशीनें दोषपूर्ण हैं। हमने यह भी नहीं कहा है कि हरियाणा की सारी मशीनें दोषपूर्ण हैं। लेकिन गड़बड़ी हुई है, ...। आप मुझे बताएं : ये मशीनें इतने दिनों से पड़ी हुई हैं, इन सबमें स्टैन्डर्ड 99 प्रतिशत बैटरी कैसे हो सकती है? ऐसा नहीं कि शिकायतें दोपहर बाद शुरू हुईं, शिकायतें एक भी परिणाम आने से पहले ही कर दी गई थीं। राव नरेन्द्र सिंह तथा हमारे पानीपत उम्मीदवार हमें शिकायतें करना तभी शुरु कर दिया था, जब उन्हें बढ़त हासिल थीं।" जब एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणी में कांग्रेस की आसान जीत बताई गई थी, उसके बाद, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि भाजपा लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनायेगी तथा भविष्यवाणी की थी कि कांग्रेस ई.वी.एम. पर दोषारोपण करेगी। सैनी ने कहा था, "आठ तारीख को जनता देगी जवाब, और ये कहेंगे ई.वी.एम. है खराब।"

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

पदयात्रियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, महिला की मौत

एक दर्जन घायल, शीतला माता के दर्शन कर करीब 400 पदयात्री नौ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर लौट रहे थे

निवाई-गुंसी के समीप पलटी हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबे हुए यात्रियों को ग्रामीणों ने निकाला।

निवाई/गुंसी, (निसं) गुंसी से राहोली जाने वाले सड़क मार्ग पर सोमवार की रात करीब 8:15 बजे शीतला माता चाकसू से वापस अपने गांव चतुर्भुजपुरा आते समय पदयात्रियों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई, जिससे उसमें सवार एक महिला की मौत हो गई और दर्जन भर यात्री घायल हो गए।

- **सजिया गांव के पास अचानक ट्रैक्टर के सामने गायों का झुंड आने से हादसा हो गया**

निवाई सदर थाना प्रभारी जयमल सिंह ने बताया कि गांव चतुर्भुजपुरा एवं आसपास की ढाणियों से करीब 400 पदयात्री सोमवार सुबह ही माताजी के ढोक लगाने गए थे। शाम को माताजी के भोग लगाकर प्रसादी ग्रहण करने के बाद करीब नौ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब सवा आठ बजे सजिया गांव के पास अचानक ट्रैक्टर के सामने गायों का झुंड आ गया। जिन्हें बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर असंतुलित हो गया और ट्रॉली पलटी खा गई। जिससे ट्रॉली के नीचे दबने से पदयात्रियों में चीख पुकार मच गई। चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अन्य पदयात्रियों के सहयोग से ट्रॉली को ऊंचा कर सभी घायलों को बाहर निकाला और दो 108 एंबुलेंस की सहायता से चाकसू और निवाई सरकारी अस्पताल में सभी घायलों को पहुंचाया।

घटना में सुनिता उर्फ सोनू 32 वर्ष पत्नी मनोहर उर्फ मनोज जांगिड़, दीपक पुत्र भैरू जांगिड़, निवासी चतुर्भुजपुरा, रामराज पुत्र रामपाल मीणा निवासी मोहनपुरा एवं सियाराम पुत्र पप्पू गुर्जर निवासी राहोली को चाकसू के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने सुनीता उर्फ सोनू जांगिड़ को मृत घोषित कर दिया। दीपक की हालत ज्यादा गम्भीर होने पर उसे जयपुर रैफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रिंस जांगिड़ (12) पुत्र मनोज जांगिड़, पृथ्वी सिंह पुत्र जगदीश सिंह, अनीता देवी पत्नी गणेश जैन, गणेश प्रसाद पुत्र रामेश्वर सैन, सीता देवी पत्नी कालूराम सैन, निशा पुत्री प्रहलाद जांगिड़, आदित्य शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा, साक्षी (8) पुत्री गणेश सैन व राजवीर सिंह पुत्र भरत सिंह को निवाई चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी की छुट्टी कर दी गई। वहीं सूचना पर विधायक रामसहाय वर्मा एवम निवाई शहर थानाधिकारी हरिराम वर्मा भी सामुदायिक चिकित्सालय जाप्ते सहित पहुंचे और घटना की जानकारी ली। विधायक वर्मा ने एक्स-रे रूम खुलवाकर सभी घायलों का एक्स-रे करवाया।

गोगुंदा में आदमखोर पैंथर की तलाश जारी

आदमखोर पैंथर को तलाशती रेस्क्यू टीम को सायरा के पास घायल जरख मिला

उदयपुर, (कासं)। जिले की गोगुंदा तहसील में लोगों पर हमला करने वाले पैंथर की तलाश जारी है। वहीं गोगुंदा क्षेत्र में सायरा के पास मंगलवार को एक जरख नाले के पास घायल मिला। सूचना पर वन विभाग की टीम रेस्क्यू कर जरख को उदयपुर लेकर आई, जहां उसका उपचार जारी है।

जानकारी अनुसार सायरा थाना क्षेत्र में झालों का कलवाणा व गायफल गांव के बीच नाले के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे जरख के घायल होने की सूचना मिली। वनपाल विकास मीणा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्हें जरख झाड़ियों के पास नाले के पास मिला। उन्होंने बताया कि जरख को पकड़ने के लिए उदयपुर से रेस्क्यू टीम बुलाई गयी। टीम ने आकर उसे रेस्क्यू किया और पिंजरे में डालकर उड़नदस्ते के जरिए उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलोजिकल पार्क ले गए जहां उसका उपचार किया जा रहा है। रेस्क्यू करने के दौरान मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

- **वन विभाग की टीम रेस्क्यू कर जरख को उदयपुर लेकर आई, उपचार किया**
- **इमरजेंसी रिस्पांस टीम के दूसरे दल ने पूरे जंगल की स्थिति को जाना**

जानकारी के अनुसार इस क्षेत्र में भी पिछले दिनों पैंथर को लोगों के देखने के बाद से लोग घबराए हुए हैं। बताया गया है कि जरख के शरीर पर चोट के निशान थे, जिससे यह लगता है कि उसको पत्थर मारे गए हैं। संभावना जताई जा रही है कि पैंथर से घबराएं लोगों ने पत्थर मारे हो। हालांकि इससे जुड़ा कोई साक्ष्य वन विभाग को नहीं मिला है। इधर गोगुंदा और बड़गांव तहसील से सटे जंगलों में वन विभाग की ओर से चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के बाद भी पैंथर को लेकर कुछ पता नहीं चला। इमरजेंसी रिस्पांस टीम (ईआरटी) के दूसरे दल ने मंगलवार को भी पूरे जंगल की स्थिति को जाना और पैंथर के हमले वाले प्वाइंट और उसके मूवमेंट वाले जंगल को देखा। टीम में शामिल वाइल्ड लाइफ विंग के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजेश गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनूप केआर और केवलादेव नेशनल पार्क के डीएफओ मानस सिंह शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पैंथर ने राठौड़ों का गुडा और केलवों का खेड़ा में 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को हमला किया था, लेकिन अभी तक उन जगहों पर वापस पैंथर का मूवमेंट नहीं हुआ है।

डंपर ने कार और बाइक को टक्कर मारी, एक की मौत

घायलों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया।

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के बानसूर रोड़ पर साबी नदी के पास एक तेज रफ्तार डंपर एक कार और बाइक को कुचलते हुए सड़क से करीब 20 फीट नीचे खेत में जाकर पलट गया। हादसे में बाईक सवार युवक की मौत हो गई जबकि कार चालक को गंभीर हालात में कोटपुतली जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उसे जयपुर के लिए रैफर कर दिया गया। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर करीब 2.30 बजे बानसूर रोड़ पर साबी नदी के पास की है। घटना में बाइक डंपर के नीचे दब गई जिसको तीन क्रेनो की सहायता से करीब एक घण्टे में निकाला गया। जिसमें बाईक चकनाचूर हो गई। बीडीएम ट्रोमा इंचार्ज श्रीराम गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि बानसूर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने कोटपुतली की तरफ से जा रहे बाइक सवार बुटेरी निवासी अंचल उर्फ रेशू शेखावत (22) और कार चालक राजपाल गुर्जर निवासी आलनपुर (हरसौरा) को कुचलते हुए नीचे खेत में जाकर पलट गया।। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को निकालने में जुट गए। इस दौरान बाइक सवार रेशू शेखावत और कार चालक राजपाल गुर्जर को बाहर निकाला गया और रोटी बैंक निशुल्क एंबुलेंस की सहायता से कोटपुतली जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहा डॉक्टरों ने रेशू शेखावत को मृत घोषित कर दिया, वही राजपाल गुर्जर की गंभीर हालात होने पर कोटपुतली से रैफर कर दिया। शाम तक राजपाल गर्जर की स्थिति भी नाजुक बनी हुई थी। ग्रामीणों ने डंफर के नीचे और लोग दबे होने की आशंका पर कोटपुतली से तीन क्रेन मंगवाई और डंपर को खेत से बाहर निकाला, डंपर के नीचे बाइक दबी हुई निकली।

- **डंपर सड़क से करीब 20 फीट नीचे खेत में जाकर पलट गया**

कंटेनर का स्टेरिंग फेल, खाई में गिरा

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे के जयपुर से दिल्ली जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर टायर का केमिकल ले जा रहे एक कंटेनर का स्टेरिंग फेल होने से वह संतुलित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच में बने डिवाइडर की खाई में गिर गया। जिससे चालक के गंभीर चोट लग गई। जानकारी के अनुसार जहाजपुर भीलवाड़ा निवासी शिवराज पुत्र बद्रीलाल अपने कंटेनर में टायर पाउडर का केमिकल भरकर मुंदरा पोर्ट से भिवाड़ी की ओर जा रहा था।

इसी दौरान मनोहरपुर थाने के पास कंटेनर का ब्रेक फेल होने से कंटेनर संतुलन खोकर सड़क के बीच बने डिवाइडर की खाई में गिर गया। जिससे चालक शिवराज गंभीर आप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए मनोहरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

आयोग ने भर्ती का विज्ञापन जारी किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मूल्यांकन विभाग में अनुसंधान सहायक के 26 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर से 13 नवंबर 2024 की रात्रि 12 बजे तक तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।

चोरों ने समारोह स्थल, घर और मंदिर को निशाना बनाया

अजमेर, (कासं)। शहर में चोरों ने समारोह स्थल, घर और मंदिर को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरों ने एक समारोह स्थान को निशाना बनाया। नया बाजार निवासी राकेश गर्ग ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित गर्ग ने बताया कि उसके समारोह स्थल से अज्ञात चोर करीब चार लाख का सामान चोरी कर ले गए हैं।

वहीं कोतवाली थाना क्षेत्र नागफनी निवासी दिव्यांशी सेन ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि वह अपनी स्कूटी से बजरंगगढ़ स्थित मंदिर दर्शन के लिए आई थी, जब मंदिर परिसर के अंदर गई, तब अपना बैग मंदिर परिसर के कुर्सियों पर रख दिया था, जिसमें उसका एक लैपटॉप था। दर्शन करने के बाद वापस लौटी तो बैग वहां नहीं था, इधर-उधर ढूंढा भी लेकिन बैग नहीं मिला। वहीं पत्रकार कॉलोनी कोटड़ा निवासी जितेंद्र सिंह ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित सिंह ने बताया कि अज्ञात चोरों ने घर पर चोरी की वारदात अंजाम देते हुए घर से सोने-चांदी के जेवरात सहित 45 हजार रुपए की नगदी पर हाथ साफ कर अन्य सामान भी चुरा ले गए।

कार्यालय जोधपुर नगर निगम उत्तर

क्रमांकः- विकास/उत्तर/द्वितीय/2024-25/480 दिनांकः- 07.10.2024

:: ई-निविदा सूचना संख्या ::

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है। UBN No. DLB2425WSOB10120

राज.संवाद/सी/24/6242 महापौर आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद, पुष्कर जिला -अजमेर (राज)

क्रमांक :- न.पा.पु./स्वास्थ्य/2023/1649 दिनांक :- 04/10/2024

ई-निविदा सूचना

नगर परिषद पुष्कर में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों, सेवाप्रदाताओं व एनजीओ से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सुखा व हरा चारा सप्लाई कार्य हेतु राशि 30.00 लाख रूपये हेतु ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ऑन लाईन निविदा फार्म डाउनलोड करके भरने की दिनांक 05.10.2024 को 9 ए.एम. से दिनांक 20.10.2024 को समय 6 पी.एम तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. : DLB2425GLOB10019 सभापति नगर परिषद पुष्कर आयुक्त नगर परिषद पुष्कर

राज.संवाद/सी/24/6217

मुख्यमंत्री निःशुल्क जाँच योजना

Rajasthan Medical Services Corporation Limited, Jaipur

Gandhi Block, SwasthyaBhawan, TilakMarg, C-Scheme, Jaipur - 302005

Ph. No. 0141-2223887, Fax : 0141-2228065 E-mail : edepmrmsc-rj@nic.in

CIN:U24232RJ2011SGC035067 Website:http://rmsc.health.rajasthan.gov.in

No. F-8( ) RMSC/EPM/M-5/2024-25/NIB-830/784 Dated: 08.10.2024

NOTICE INVITING BID

Bids for Item **Sleep Lab (Polysomnography)** are invited from interested bidders up to 28.10.2024; 06:00 p.m. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN-: MSC2425GLRC00044

Executive Director (EPM) RMSCL, Jaipur

Raj.Samwad/C/24/6298

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.), फोन नम्बर: (0141)2227938, 2227710, 2227715, फैक्स: (0141)2227360, 2227761 Email:- Jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 07/10/2024

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.6(1)56/CC/2024/ 115 Dated 07.10.2024 UBN No. MML2425SLOB00130	सोनारी लिग्नाईट परियोजना, बाड़मेर पर तीन (03) बालेरो – 07 सीटर (ए.सी. डीजल टैक्सी परमिट) या समकक्ष वाहन मय वाहन चालक सहित किराये पर लेने हेतु। टैक्सीयों का मॉडल वर्ष 2022 या उसके बाद का होना आवश्यक है। अनुमानित मूल्य (रू.) 60.00 लाख धरोहर राशि (रू.) – 120,000/-, निविदा राशि– 4720/- जी.एस.टी. सहित। ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 1500/– का डी.डी. जो कि एम.डी.आर.आई.एस.एल. जयपुर के नाम देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/24/6272 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.16/Exam/Researej Assostamt/RPSC/EP-1/2024-25 दिनांक-08.10.2024

आयोग द्वारा मूल्यांकन विभाग के लिए राजस्थान अधीनस्थ सेवा (भर्ती एवं सेवा की अन्य शर्ते) नियम 2001 के अन्तर्गत अनुसंधान सहायक (RESEARCH ASSISTANT) के कुल 26 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2025 को न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 15.10.2024 से दिनांक 13.11.2024 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/9688/2024 राम निवास मेहता, सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER RAJGARH MEDIUM IRRIGATION DIVISION BHAWANIMANDI

E-Mail: wrrajgarh@gmail.com - Phone No.: 07433-222122

No.-E.E./Rajgarh/Actt./2024-25/1279 Date:- 30/09/2024

E-NIT No. 01/2024-25

Bids for (1) "Construction of Micro Storage Tank at Village Runji, Tehsil Pahphar District Jhalawar". (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 34.06 Lakh)." (2) "Construction of Micro Storage Tank Near Village Rajpura, Tehsil Pachphar District Jhalawar". (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 53.94 Lakh)." (3) "Construction of Micro Storage Tank At Village Bishniya Tehsil Gangdhar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 37.21 Lakh)." (4) "Construction of Anicut at Village Khejdiyakhal, Tehsil Pachpahar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 19.50 Lakh)." (5) "Construction of Micro Storage Tank Near Village Khejdiyakhal, Tehsil Pachphar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 55.40 Lakh)." (6) "Construction of Amrit Sarovar At Village Runji, Tehsil Pachphar, District Jhalawar." (under MJSA 2.0, Phase-I) (Rs. 32.74 Lakh)."are invited from interested bidders (registered in appropriate class) from 04.10.2024 (9:30 AM) to 13.10.2024 (06:00 PM). Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in, www.waterresources.rajasthan.gov.in www.dipr.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in &

NIB Code :-
UBN For Item No. 01 :-
UBN For Item No. 02 :-
UBN For Item No. 03:-
UBN For Item No. 04 :-
UBN For Item No. 05 :-
UBN For Item No. 06 :-

(Kamlesh Kumar Meena) Executive Engineer Rajgarh Medium Irrigation Division Bhawanimandi

DIPR/C/9515/2024

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राज.)

क्रमांक : आर.ओ.(ओ.आर.)/1257 दिनांक : 07.10.2024

ई-नीलामी सूचना

रजिस्ट्रेशन एवं अमानत राशि ऑनलाईन जमा कराने दिनांक व समय :- 07.10.2024 सांय 06:00 बजें से 15.10.2024 को सांय 05:00 बजें तक।

ऑनलाईन बोली की दिनांक व समय :- 16.10.2024 प्रातः 11:00 बजें से 17.10.2024 को प्रातः 11:00 बजें तक।

नीलामी स्थल एवं समस्त भुगतान प्रक्रिया – ऑनलाईन

नगर निगम अजमेर द्वारा निम्नांकित अवधि के लिये निम्न वर्णित पार्किंग स्थल के संचालन हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है:-

क्र. स.	पार्किंग स्थल का नाम	ठेका अवधि	(प्रतिभूति) अमानत राशि	प्रारम्भिक सरकारी बोली (प्रथम वर्ष)
1	पुराना पशु चिकित्सालय गोल प्याउ के पास नया बाजार अजमेर।	कार्यदेश की दिनांक से 1 वर्ष तक	45,500/–	22,60,500/–

अतः इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था नगर निगम के ऑनलाईन पोर्टल https://ajmermc.procure247.com/home पर नियमानुसार रजिस्ट्रेशन कराकर ई-नीलामी में भाग ले सकते है। नियम व शर्तो की जानकारी नगर निगम अजमेर की अन्यकर शाखा में किसी भी कार्यालय दिवस व समय पर ली जा सकती है एवं नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/mcajmer व Rajasthan State public Procurement Portal पर भी सूचना उपलब्ध है। UBN-ANN2425SLOB00134

राज.संवाद/सी/24/6244 उपायुक्त

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नम्बर 211, 212 व 219

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी/निलामी (QL2) /2024/ई-08618

नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के अध्याय-III के तहत अप्रधान खनिजों के 118 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आवंटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

क्र.सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	चित्तौड़गढ़	रावडदा (बेंगू)	सेण्डस्टोन	83
2	चित्तौड़गढ़	बिनोता, विजयपुरा पटवार हल्का गुढाखेडा (निम्बाहेडा)	लाईमस्टोन (पट्टी) फर्शी एवं खण्डा)	15
3	भीलवाडा	सुखपुरा, खडीपुर, बिजौलिया खुर्द (बिजौलिया)	सेण्डस्टोन	15
4	जोधपुर (ग्रामीण)	करणीसर व सिहांदा (शेरगढ)	सेण्डस्टोन	03
5	नागौर	खाटूकला (जायल)	सेण्डस्टोन	02

क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

(भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

DIPR/C/9593/2024

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 2379-88 Date:- 01/10/2024

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 09/2024-25) for Consultancy Work "Preparation of Detailed Project Report (DPR) including Land Acquisition" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 15.10.2024. procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 33.80 lacs.

UBN NO. NIB PWD2425A1967
UBN PWD2425SLOB07239

(Hari Narayan Meena) Executive Engineer PWD Division Hindaun

DIPR/C/9539/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम

मिनी स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर

क्रमांक/भण्डार/266 दिनांक-01.10.2024

ई-निविदा सूचना

इस कार्यालय के अधीन जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के अन्तर्गत वित्तिय वर्ष 2024-25 में आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु भोजन, आवास एवं मिटिंग हॉल की व्यवस्था किये जाने हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म एवं भरे हुये निविदा फार्म (ई-निविदा) के माध्यम से दिनांक 01.10.2024 से 21.10.2024 को दोपहर 12.00 तक डाउनलोड एवं अपलोड किया जा सकेगा। ऑनलाईन ई-निविदा के माध्यम से जमा/अपलोड करायी गयी निविदाओं को दिनांक 21.10.2024 को दोपहर 3.00 बजे खोला जायेगा। शेष शर्तें निविदा प्रपत्र में अंकितानुसार होगी जो SPPP.raj.nic.in एवं eprocure.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा। अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा शुल्क 1000/- प्रति टेण्डर व अमानत राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के नाम देय होंगे, एवं प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार अनुसार होगा। जिसका डीडी MDRISL RPR के नाम देय होगा। जो निर्धारित तिथि तक अथवा उससे पूर्व कार्यालय में जमा कराने होंगे।

क्र. सं.	समान विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)	बयाना राशि	निविदा शुल्क
1	विभिन्न प्रशिक्षणों में चाय, नाश्ता, लंच, डिनर व इत्यादि की व्यवस्था, विस्तृत जानकारी टेण्डर फार्म में उपलब्ध है। UBN: MHS2425SLOB03273	6000000.00 (साठ लाख)	120000.00 (एक लाख बीस हजार)	1000.00 (एक हजार)
2	विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों के लिए मीटिंग हाल आवास व्यवस्था हेतु विस्तृत जानकारी टेण्डर फार्म में उपलब्ध है। UBN: MHS2425SLOB03274	10000000.00 (एक करोड़)	200000.00 (दो लाख)	1000.00 (एक हजार)

ट्रेनिंग हॉल, आवास व्यवस्था व भोजन व्यवस्था के लिए अलग-अलग निविदाऐं प्रस्तुत की जानी है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम

DIPR/C/9586/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय

मिनी स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर

क्रमांक-स्टोर/2024-25/130 **ई-निविदा सूचना** दिनांक-01.10.2024

इस कार्यालय के अधीन जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर द्वितीय के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में संचालित विभिन्न योजनाओं हेतु विभिन्न प्रकार के मानव संसाधन सेवाऐं अनुबन्ध के आधार पर लिये जाने के लिए पंजिकृत सक्षम सेवा प्रदाता एजेन्सीयों/संस्थाओं/फर्मो से इस कार्यालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित अन्य आवश्यक विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखे जा सकते है। उक्त निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार निविदा कमेटी के पास होगा। बोली प्रतिभूति राशि (अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत राशि 2,32,520/-) एवं बोली प्रपत्र शुल्क 1000/- रू. का डी.डी. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के नाम से देय होगा। उक्त के अतिरिक्त राशि रू. 1500 का डीडी MD RISL के नाम से प्रतिभूति राशि एवं बोली प्रपत्र राशि की डी.डी. एवं समस्त दस्तावेज मूल ही कार्यालय में जमा करवाना अनिवार्य है। टेण्डर डोक्यूमेन्ट्स की भौतिक प्रतिलिपि (Physical Copy of tender documents) के अभाव में संबंधित फर्म का टेण्डर एडमिट नहीं किया जावेगा।

क्र. सं.	सेवा का विवरण	अनुमानित संख्या	अनुमानित लागत लाखों में	निविदा फार्म प्राप्त/डाउनलोड करने की दिनांक	निविदा फार्म जमा/अपलोड करने की दिनांक	निविदा फार्म खोलने की दिनांक
1	मेडिकल ऑफिसर (जनता क्लिनिक हेतु)	10	33,60,000	04.10.2024	24.10.2024 दोपहर 12.00 बजे तक	24.10.2024 दोपहर 2.00 बजे
2	नर्सिंग कर्मी/स्टाफ नर्स (जनता क्लिनिक हेतु)	20	13,80,000			
3	ए.एन.एम. (जनता क्लिनिक हेतु)	10	5,40,000			
4	फार्मासिस्ट (जनता क्लिनिक हेतु)	10	7,20,000			
5	सर्पोट स्टाफ (जनता क्लिनिक हेतु)	10	9,80,000			
6	स्वीपर (जनता क्लिनिक हेतु)	10	4,50,000			
8	बायो मेडिकल इंजिनियर	01	5,16,000			
9	एफ पी काउन्सलर	01	1,80,000			
10	कम्प्यूटर ऑपरेटर (5-NHM and 2 PNDT) (विद मशीन)	07	9,00,000			
11	कम्प्यूटर ऑपरेटर (मैन विदाउट मशीन)	05	6,00,000			
12	सर्पोट स्टाफ (एनएचएम/यूएचएम कार्यालय हेतु)	02	2,00,000			
13	डीबीसी वर्कर (मलेरिया)	09	10,00,000			
14	अन्य	03	8,00,000			
	कुल	100	1,16,26000			

अन्य जानकारी हेतु प्री-बिड मिटिंग दिनांक 11.10.2024 को सायं 3.00 बजे से अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय चेम्बर में आयोजित की जावेगी। NIB- MHS2425A2294, UBN-MHS2425SLOB03279, Mob.: 7374004405

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय

DIPR/C/9526/2024

Jodhpur Development Authority, Jodhpur

E-Auction Programme of Residential, Commercial, Industrial, School & Multistory Residential Plots in Jodhpur :- (October-November 2024)

क्रमांक :-एफ46/नीलामी/2024/सितम्बर/150 दिनांकः- 30.09.2024

दीपावली पर बम्पर ई-नीलामी

भूखण्डों की दीपावली पर बम्पर ई-नीलामी दिनांक 15.10.2024 से 21.11.2024 तक

106 आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक, स्कूल एवं मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्ड

विवेक विहार योजना (60 आवासीय भूखण्ड) (5 व्यावसायिक भूखण्ड) योजना में कुल भूखण्ड (50.19 वर्गमीटर से 1560 वर्ग मीटर)	गंगा विहार योजना में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 256.51 वर्ग मीटर)	राज्य कर्मचारी आवासीय योजना ग्राम मोगड़ा कलां योजना में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 360.28 वर्ग मीटर)	उद्योग विहार औद्योगिक योजना में कुल भूखण्ड (1250 वर्ग मीटर से 6324 वर्ग मीटर)
65	10	09	09
खसरा संख्या- 713 ग्राम चौखा आवासीय योजना में कुल भूखण्ड (334.49 वर्ग मीटर से 348.51 वर्ग मीटर)	राजीव गांधी नगर चौखा योजना में कुल भूखण्ड (299.25 वर्ग मीटर से 401.28 वर्ग मीटर)	मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्ड राजीव गांधी नगर चौखा योजना में कुल भूखण्ड (2464 वर्ग मीटर से 2500 वर्ग मीटर)	रामराज नगर सेक्टर-1 वाणिज्यिक भूखण्ड (3179.57 वर्ग मीटर)
04	04	02	01
रामराज नगर सेक्टर-5 वाणिज्यिक भूखण्ड (6750 वर्ग मीटर)	रामराज नगर सेक्टर-2 विद्यालय हेतु भूखण्ड (2800 वर्ग मीटर)		
01	01		

ईएमडी जमा दिनांक: 15 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ

ऑनलाईन बिड — प्रारम्भ तिथिः 15 अक्टूबर 2024; अंतिम तिथिः 21 नवम्बर 2024

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा) जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर मोबाईल नं.- 96723-54150, 96364-12457

अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें।

निदेशक वित्त जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर फोनः- 0291-2656355, 2656356

राज.संवाद/सी/24/6307

नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्ते जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें। नीलामी की प्रक्रिया SSOID के जरिये Urban Services के माध्यम से की जाएगी।

मैंने जो सपना देखा वह साकार होने जा रहा है। मैं अपना विदाई टेस्ट मैच अपने होम ग्राउंड पर खेलना चाहता था और अब ये संभव लग रहा है। - शाकिब अल हसन

बांग्लादेश के ऑलराउंडर, अपने आखिरी मैच को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — रोहित शर्मा

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने हिटमैन को लेकर बड़ा दावा किया है। दिनेश लाड ने कहा है कि, रोहित शर्मा भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल के बाद टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लें, लेकिन 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में वे खेलते हुए नजर आएंगे। उनका कहना है कि रोहित की उम्र बढ़ रही है और वह वनडे क्रिकेट पर फोकस करने के लिए टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

क्या आप जानते हैं ?... दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को टैस्ट मैच के दूसरे दिन ही एक पारी और 21 रन से हराकर दो दिन में जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम का दर्जा मिला। इससे पहले इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया यह सम्मान पा चुकी है।

भारतीय महिला टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

दक्षिण कोरिया को हराकर पक्का किया मेडल

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। जहां भारत की टीम ने सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट टीम साउथ कोरियाई टीम को मात देकर मेडल पक्का कर लिया है।भारतीय महिला टीम ने कोरियाई महिलाओं को 3-2 की बढ़त से हराया।बता दें कि, कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 का आयोजन हो रहा है। वहींभारत ने इस प्रतियोगिता में अपना पहला पदक पक्का कर लिया है। इस जीत मेंअहिका मुखर्जी ने मुख्य भूमिका निभाई।वहीं बुधवार को होने वाले सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम का मुकाबला जापान से होगा। जापानी खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 3-0 से हराया। अयहिका और मनिका बत्रा ने अपने-अपने मुकाबलों में करीबी मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद भारत को मुकाबले में 2-0 की बढ़त मिल गई। जहां बंगाल के पैडलर ने शिन युबी को 11-9, 7-11, 12-10, 7-11, 11-7 से हराया, वहीं दिल्ली की खिलाड़ी ने जियोन जिही को 12-14, 13-11, 11-5 से हराया। 5-11, 12-10 ।

हालांकि, कोरिया ने स्कोरलाइन संतुलित करने के लिए संघर्ष किया। चोट से वापसी के बाद अपना दूसरा प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट खेल रही श्रीजा अकुला को ली यून्हे ने 0-3 से हरा दिया। तो युबिन ने इसके बाद करीबी मुकाबले में मनिका को 3-2 से हरा दिया, जिससे भारतीय खिलाड़ी ने दो गेम की हार से उबरने के लिए संघर्ष किया, लेकिन आखिर में पिछड़ गए। फिर फाइनल मैच में जिही के खिलाफ लगातार तीन गेम जीतकर अयहिका ने भारत को इस मुकाबले में बचाया और एक शानदार जीत दिलाई।

पहलवानी छोड़ राजनीति में चमकी विनेश फोगाट

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पहलवानी छोड़ राजनीति में एंट्री करने वाली विनेश फोगाट भले ही पेरिस ओलंपिक में मेडल जीतने से चूक गई हों लेकिन वह चुनाव में चमक गई हैं। विनेश फोगाट ने जुलाना विधानसभा सीट अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी योगेश बैरागी से 6015 वोट से जीत ली। विनेश और योगेश को छोड़कर बाकी सभी की जमानत जब्त हो गई। हालांकि इन चुनावों में विनेश और योगेश में मुकाबला बराबरी का रहा, विनेश कई बार आगे पीछे होती रही लेकिन आखिर में उनकी झोली में ही सीट की जीत आई।महज दो महीने में विनेश पहलवानी छोड़ सफल राजनेता कैसे बन गई इसकी कहानी भी उनकी जीत की तरह है। विनेश फोगाट 7 अगस्त को पेरिस ओलंपिक के फाइनल मुकाबले में 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण मेडल से चूक गई थीं। सोशल मीडिया पर उनके लिए फैंस की भावनाएं नजर आई। हर कोई विनेश के साथ खड़ा नजर आ रहा था। कोर्ट ऑफ स्पोर्ट्स एट्रीब्यूशन में आखिरी उम्मीद टूटने के बाद विनेश जब भारत लौटीं तो दिल्ली एयरपोर्ट पर ही एक तरह से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हो गई थी।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ी टी-20 को कहेगा अलविदा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के खत्म होने के साथ ही बांग्लादेश के सीनियर ऑलराउंडर महमूदुल्लाह भी इस फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगे। 38 वर्षीय महमूदुल्लाह ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच से पहले ये ऐलान किया है। महमूदुल्लाह बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। साथ ही वो अपनी टीम के लिए तीनों फॉर्मेट में अपना अच्छा खासा योगदान दे चुके हैं। भारत के खिलाफ चल रही मौजूदा टी20 सीरीज महमूदुल्लाह की अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज होगी। महमूदुल्लाह ने भारत के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, हां इस सीरीज के बाद मैं टी20 अंतर्राष्ट्रीय से संन्यास ले रहा हूं ये पहले से ही तय था। ये इस प्रारूप को छोड़ने का सही समय है और अब मैं वनडे पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

श्रीलंका पर बड़ी जीत से नेट रन रेट में सुधार करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैच में मिला-जुला परिणाम हासिल करने वाली भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए में बुधवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने नेट रन रेट में सुधार करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसे अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 58 रन से हार का सामना करना पड़ा जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 106 रन के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उसने 18.5 ओवर खेले। भारत की टूर्नामेंट में अभी तक सबसे बड़ी समस्या बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन रहा है।

अंडर-19 टेस्ट मैच : हरवंश पंगालिया का शतक, भारत के पहली पारी में 492 रन

चेन्नई, 8 अक्टूबर। हरवंश पंगालिया (117) की शतकीय और नित्या पांडे (94), केपी कार्तिकेय (71), निखिल कुमार (61) कप्तान सोहम पटवर्धन (63) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारत की अंडर-19 टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 492 का स्कोर खड़ा किया है।

आज यहां चेपक स्टेडियम में भारतीय टीम ने कल के पांच विकेट पर 316 रन से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में तीन रन का इजाफा हुआ था कि ओली पैटरसन ने कप्तान सोहम पटवर्धन (63) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोहम्मद एनान (26), समर्थ नागराज (20), चेतन शर्मा (शून्य) पर आउट हुये। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये हरवंश पंगालिया शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 143 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए (117) रनों की पारी खेली। अनमोलजीत सिंह 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुसाले के पिता ने कहा- मेरे बेटे को पांच करोड़ और फ्लैट मिलना चाहिए

मुंबई, 8 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले के पिता ने महाराष्ट्र सरकार से उनके बेटे को मिली दो करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनका बेटा इससे अधिक सम्मान राशि पाने का हकदार है। कोल्हापुर के रहने वाले 29 वर्षीय स्वप्निल कुसाले ने अगस्त में पेरिस ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उनके पिता सुरेश कुसाले ने कहा कि उनके बेटे को पांच करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि और पुणे के बालेवाड़ी में छत्रपति शिवाजी महाराज खेल परिसर के पास एक फ्लैट मिलना चाहिए।

दिल्ली पहुंची टीम इंडिया, ढोल नगाड़ों के साथ हुआ स्वागत

सूर्यकुमार यादव ने किया भांगड़ा

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। ग्वालियर टी20 मैच जीतने के बाद टीम इंडिया मंगलवार यानी 8 अक्टूबर को दिल्ली पहुंच गई है। जहां भारतीय टीम का स्वागत ढोल नगाड़ों के साथ हुआ, इस दौरान टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ढोल की ताप पर भांगड़ा करते हुए नजर आए। इसका वीडियो बीसीसीआई ने अपने एक्स पर शेयर किया है। बता दें कि, 9 अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरा टी20 मुकाबला खेला जाएगा।भारत और बांग्लादेश के बीच ग्वालियर में पहला टी20 मैच खेला गया, जिसे भारत ने जीता और सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। वहीं फैंस को टीम इंडिया से दूसरे टी20 मैच में भी उम्मीद है कि वह बांग्लादेश को दूसरे टी20 मैच में भी हराएगी।

इससे पहले दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज खेली गई थी जिसे रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम ने 2-0 से अपने नाम किया था। वहीं टी20 सीरीज शुरू होने से पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो ने कहा था कि, टीम टी20 सीरीज को आक्रामक होकर खेलेगी। जिसके बाद पहले टी20 में बांग्लादेश की पूरी टीम 127 रनों पर ही सिमट गई। भारत ने मैच 12वें ओवर से पहले ही जीत लिया था। बांग्लादेश के कप्तान ने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के बाद अपने बैटर्स को कड़ा संदेश देते हुए कहा था कि पावरप्ले में तेजी से बैटिंग करना बहुत जरूरी है। वहीं टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने साथी खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की थी।

स्टर्नहेगन भावनगर पोलो टूर्नामेंट

जयपुर यूएसपीए ने क्राइसिल पोलो को 9 गोलों से पराजित किया

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान पोलो मैदान पर खेले गए मैच में जयपुर यूएसपीए ने क्राइसील पोलो को 8 के मुकाबले 9 गोलो से हराया। क्राइसील पोलो की ओर से अल्बेरदी ने 3 गोल, शमशीर अली ने 5 गोल किये वहीं जयपुर यूएसपीए की ओर से महाराज पदमनाभ सिंह ने 1, वाट्सन ने 4 ओर सिमरन शेरगिल और देवरत सिंह ने 2-2 गोल किये। मैच के एम्पायर मार्टिन स्कोर्टीचीनी ओर अंगद कलान ओर रेफ्री गोंजालो यनजोन थे।

सलमान का शतक, पाक ने बनाये पहली पारी में 556

मुल्तान, 8 अक्टूबर। पाकिस्तान ने मंगलवार को पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन आगा सलामन (नाबाद 104)की शानदार शतक की बदौलत पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ 556 रन स्कोर खड़ा किया है।

हरियाणा की जनता ने तीसरी बार भाजपा की सरकार पर लगाई मोहर : भजनलाल शर्मा

'देशभर में आने वाले विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को मिलेगा प्रचंड बहुमत'

जयपुर। हरियाणा विधानसभा चुनावों के परिणाम के रूझान आने के साथ ही भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल छा गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया। भाजपा युवा मोर्चा की ओर से आतिशबाजी की गई। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जलेबी बनाकर कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा करवाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताते हुए तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर मोहर लगाई है। हरियाणा की जनता ने केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सीएम नायब सिंह सैनी के कार्यों और भाजपा जो कहती है, वो करती है की बात पर मोहर लगाई है। हरियाणा चुनावों के परिणामों को देखते हुए मैं पूर्ण विश्वास के साथ कह सकता हूं कि देशभर में आने वाले विधानसभा चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ जीतेगी और केंद्र में चौथी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। हरियाणा विधानसभा चुनावों के प्रचार-प्रसार के दौरान मैंने वहां के कार्यकर्ताओ का उत्साह देखा और हरियाणा प्रदेश की जनता के उत्साह को देखते हुए भाजपा सरकार की हैट्रिक लगेगी यह साफ नजर आ रहा था। हरियाणा की जनता प्रदेश को आगे ले जाने के साथ विकसित हरियाणा बनाना चाहती है। इसलिए भाजपा को तीसरी बार बहुमत प्रदान किया।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में लूट और झूठ का सहारा लेकर चुनाव जीतना चाहती है। कांग्रेसी नेताओं ने चुनावों के साथ जनता के बीच अफवाहें फैलाई ,लेकिन मतदाताओं ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को जवाब देने का काम किया है। ऐसे में मैं हरियाणा की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने विकास के कार्यों पर मोहर लगाई है। सीएम शर्मा ने कहा कि हरियाणा के प्रभारी सतीश पूनिया और राजस्थान से प्रवास पर गए हमारे कार्यकर्ताओं की मेहतन रंग लाई।

- **हरियाणा की जनता ने विकसित हरियाणा के लिए भाजपा सरकार की लगाई हैट्रिक : मदन राठौड़**

राजस्थान से जाने वाले कार्यकर्ताओं ने दिन रात जमीनी स्तर पर मेहनत की, उसका परिणाम भाजपा की सरकार है। मुख्यमंत्री शर्मा ने भी हरियाणा चुनावों में आधा दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार की कमान संभाली थी, उन सभी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी की जीत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भी सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएगी। ऐसे में राजस्थान की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि एक तरफ ऐसा नेतृत्व है जो कभी आलू से सोना बनाता है तो कभी फैक्ट्री से जलेबी। ऐसे में राहुल गांधी को अपना जनरल नॉलेज बढ़ाने की आवश्यकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में विकास के नए आयाम स्थापित किए है। देश में ही नहीं, पीएम मोदी ने वैश्विक पटल भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। ऐसे में हरियाणा की जनता ने देशहित और विकसित हरियाणा के लिए भाजपा सरकार की हैट्रिक लगाई है। कांग्रेस ने एक बार फिर चुनावों में भ्रम फैलाने का काम किया लेकिन हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को सीरे से नकार दिया। कांग्रेस ने हरियाणा में सारे हथकंडे अपनाते हुए चुनाव जीतने का माहौल बनाया लेकिन हरियाणा की जनता ने मोदी पर विश्वास जताया। एक ओर कांग्रेसी नेता कहते है भाजपा आरक्षण समाप्त कर देगी, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी विदेश में जाकर यह कहते है कि सत्ता में आएंगे तो हम आरक्षण समाप्त करेंगे। देशवासी कांग्रेसी नेताओं की हकीकत समझ गए और हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाने का काम किया। राठौड़ ने एक बार फिर दावे के साथ कहा कि राजस्थान के आगामी 7 विधानसभा उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत होगी और प्रदेश की जनता मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार के कार्यों पर मोहर लगाएगी। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर ने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणा में भाजपा सरकार की हैट्रिक लगने पर शीर्ष नेतृत्व को शुभकामनाएं दी और प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त किया। भाजपा कार्यालय में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, मदन दिलावर, राज्य मंत्री जवाहर बेड़म,विधायक गोपाल शर्मा, सांसद लुम्बाराम चौधरी, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सीआर चौधरी,भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, महेंद्र कुमावत, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक , भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हिरेंद्र कोशिक, आईटी संयोजक अविनाश जोशी, मोर्चो के प्रदेश अध्यक्ष व जिले के पदाधिकारी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने मीठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

दुबई से आए युवक के चिकन पॉक्स पाया गया

- **जयपुर एयर पोर्ट पर मेडिकल जांच में युवक को मंकी पॉक्स के लक्षण दिखाई देने पर आरयूएचएस अस्पताल में भर्ती कराया गया**
- **एहतियातन मंकी पॉक्स की जांच के लिए सैंपल एसएमएस भेजा**

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट पर मंगलवार को दुबई से आए एक यात्री में मंकी पॉक्स के लक्षण दिखने के बाद वहां उसे आरयूएचएस हॉस्पिटल में आइसोलेट किया गया है। हालांकि जांच में उसके चिकन पॉक्स पाया गया है। एहतियात के तौर पर मंकी पॉक्स की जांच के लिए उसका ब्लड सैम्पल लेकर सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया है।

प्रदेश में मंकी पॉक्स को लेकर फिलहाल कोई रोगी सामने नहीं आया है। इस रोग को लेकर राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क और सजग है तथा भारत सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित की जा रही है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि नागौर जिले के मौलासर का एक 20 वर्षीय युवक दुबई से सांगानेर एयरपोर्ट पहुंचा था। एयरपोर्ट पर हैल्थ ऑफिसर द्वारा की गई स्वास्थ्य जांच में उसके शरीर पर रेशेज पाए गए।

इसके बाद इस युवक को आरयूएचएस अस्पताल रैफर किया गया, जहां जांच में उसके चिकन पॉक्स होना पाया गया। फिर भी एहतियात के तौर पर मंकी पॉक्स की जांच के लिए उसका ब्लड सैम्पल लेकर सवाई मानसिंह अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल युवक की हालात स्थिर है और वह उपचाराधीन है। डॉ. माथुर ने बताया कि युवक के आस-पास बैठे हुए यात्रियों की भी एयरपोर्ट अथॉरिटी के सहयोग से ट्रेसिंग की जा रही है। अगर युवक जांच में पॉजिटिव पाया जाता है तो भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी। निदेशक जनस्वास्थ्य ने बताया कि दुबई मंकी पॉक्स से प्रभावित देशों में शामिल नहीं है। आरयूएचएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह ने बताया कि एम पॉक्स को लेकर हॉस्पिटल में विशेष व्यवस्था की है। एक पूरा फ्लोर सिर्फ एम पॉक्स से ग्रसित मरीजों के इलाज के लिए रिजर्व रखा गया है।

सिंगापुर में कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रदेश में कारोबार के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया

जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में सिंगापुर दौरे पर गए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को वहां इन्वेस्टर मीट में हिस्सा लिया और वहां की कई प्रमुख कंपनियों के आला अधिकारियों के साथ मुलाकात की। इन मुलाकातों में उद्योग मंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने निवेशकों और व्यापारिक जगत के अधिकारियों से राजस्थान आने, राज्य में निवेश की संभावनाएँ तलाशने और व्यापार के नए अवसर बनाने का आग्रह किया। इस दौरान निवेशकों और कंपनियों को माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा व्यापार जगत के लिये लिए जा रहे अनुकूल नीतिगत निर्णयों से भी अवगत कराया गया।

सिंगापुर इन्वेस्टर मीट में बोलते हुए राठौड़ ने कहा, सिंगापुर की कंपनियां राजस्थान के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निवेश करने पर विचार कर सकती हैं। हमारे राज्य से वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर, और 2 एक्सप्रेसवे-दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे-गुजरते हैं। इन दोनों एक्सप्रेसवे के दोनों ओर जमीन व्यवसायों के लिए उपलब्ध है। हमारे यहां साल में 320 दिन से ज्यादा धूप रहती है, हमारी आबादी युवा है, व्यवसायों को अनुकूल बनाने का सरकार का हर संभव प्रयास है और सबसे ज्यादा, हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति है।

आतंकी गोल्डी बराड के गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने सुखदेव सिंह गोगामेडी हत्याकांड में वांछित आतंकी सतविन्द्र सिंह उर्फ गोल्डी बराड के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अदालत ने यह आदेश एनआईए की ओर से दायर प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि दिसंबर, 2023 में श्यामनगर थाना इलाके में सुखदेव सिंह गोगामेडी की दो बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसकी जांच बाद में एनआईए को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि हत्याकांड के षडयंत्र में गोल्डी बराड और रोहित गोदारा सहित अन्य लोग शामिल हैं।इसके अलावा गोल्डी बराड ने आनंद तिवारी नामक व्यक्ति को सोशल मीडिया के जरिए दिए साक्षात्कार में भी माना है कि संपत्ति विवाद के चलते उसकी गैंग ने गोगामेडी की हत्या की है।

टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0, स्कूलों और ग्राम पंचायतों को करेंगे तंबाकू मुक्त

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में 26 सितंबर से शुरू हुए टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 के अंतर्गत दो माह में सघन जन जागरण गतिविधियों के साथ जिले के समस्त विद्यालयों तथा ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त घोषित करवाया जायेगा।

इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी विभागों के समन्वय द्वारा यहां कोटपा एक्ट 2003 की समस्त धाराओं व तंबाकू फ्री गाइडलाइंस की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करवाई जायेगी। मंगलवार को स्वास्थ्य भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि महाअभियान की विस्तृत कार्य योजना का अनुमोदन जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि द्वारा करवाया गया है। उन्हीं के निर्देशन में 26 नवम्बर तक यह अभियान जिले भर में संचालित होगा। अभियान के अंतर्गत कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4, 5, 6 और 7 की शत प्रतिशत पालना सुनिश्चित की जायेगी। उल्लंघनकर्ता के चालान काटे जायेंगे।

विशेष कर ई-सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि तंबाकू का अंतिम परिणाम न केवल कैंसर है बल्कि यह पूरे परिवार को गर्त में डाल देता है।

बीकानेर में टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 के पोस्टर का विमोचन सी.एम.एच.ओ. डॉ. राजेश गुप्ता ने किया।

राजस्थान में चबाने व धुएं वाले दोनों तरह के तंबाकू का बहुतयात से उपयोग हो रहा है जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मौत की तरफ बढ़ रहे हैं।

अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं तथा बच्चों को तंबाकू जैसे जहर से दूर रखना है। इसके लिए विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्काउट एंड गाइड के सहयोग से वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रैली, नुक्कड़ नाटक व अन्य जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जायेगी। यह सभी कार्यक्रम एक निश्चित टाइमलाइन अनुसार संपादित किए जायेंगे।

डिप्टी सीएमएचओ (स्वास्थ्य) डॉ लोकेश गुप्ता ने बताया कि टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 के अंतर्गत समस्त स्टेकहोल्डर्स जिनमें विधायक, प्रधान, सरपंच सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, तंबाकू विक्रेता, खाद्य सुरक्षा प्रकोष्ठ, तंबाकू उपयोगकर्ता, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ कार्यशाला आयोजित होंगी। ग्राम स्तर पर गठित वीएचएसएनसी समिति तथा शहरी क्षेत्र में गठित मास समितियां द्वारा जन-जन तक तंबाकू के दुष्प्रभाव को लेकर जागरूकता लाई जायेगी। तंबाकू छोड़ने के लिए आमजन को प्रेरित कर उन्हें तंबाकू के सेशेषन कार्यक्रम से जोड़ा जायेगा। उपनिदेशक सूचना एवं जनसंपर्क हरिशंकर आचार्य द्वारा तंबाकू को सभ्य समाज में व्याप्त बड़ी बुराई बताते हुए इसके विरूद्ध शुरू हुए इस अभियान में मीडिया के सक्रिय सहयोग के लिए अपील की।

- **अभियान के अंतर्गत कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4, 5, 6 और 7 की पालना नहीं करने पर चालान काटे जायेंगे**

जिला कार्यक्रम समन्वयक मालकोश आचार्य ने जानकारी दी कि अभियान को लेकर सोशल मीडिया पर भी विशेष जन जागरण अभियान चलाया जायेगा जिसमें प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर फोटो, वीडियो व पोस्ट द्वारा तंबाकू की समाज में स्वीकार्यता के विरूद्ध माहौल तैयार करने का प्रयास किया जायेगा। जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के सलाहकार रविन्द्र सिंह शेखावत ने बीकानेर में अब तक कोटपा एक्ट के अंतर्गत हुई चालान कार्यवाही तथा आगामी कार्य योजना के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान टोबेको फ्री यूथ कैम्पेन 2.0 से संबंधित पोस्टर का भी विमोचन किया गया। जिसे ग्राम स्तर तक प्रदर्शित किया जायेगा। तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ से सोशल वर्कर कमल कुमार पुरोहित तथा देवीदान चारण द्वारा कार्यक्रम का प्रबंधन किया गया। डॉ गुप्ता ने प्रिंट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया के विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर पूछे गए प्रश्नों का जवाब भी दिया।

डेंगू से बचाव की जानकारी दी

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने मंगलवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर मौसमी बीमारियों से बचाव के लिये एंटी लार्वा गतिविधियां करने के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डेंगू के प्रति जागरूकता व नियंत्रण के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग प्रभावी कदम उठा रहा है। वहीं जिला प्रशासन के निर्देशों पर अन्य विभाग भी इसमें अहम योगदान दे रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू व मलेरिया आदि मौसमी बीमारियों को लेकर नियमित गतिविधियां की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि जागरूक बनें, स्वच्छता अपनाएं और मौसमी बीमारियों से बचें।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि डेंगू से होने वाले बुखार को हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जा सकता है क्योंकि पीड़ित व्यक्ति को बुखार के साथ-साथ हड्डियों में बहुत दर्द होता है। शुरुआत में यह बुखार सामान्य बुखार जैसा ही लगता है, जिसके कारण सामान्य बुखार और डेंगू के लक्षणों में फर्क समझ नहीं आता है। इस बुखार के इलाज में थोड़ी सी लापरवाही भी घातक हो सकती है। ठंड लगने के बाद अचानक तेज बुखार चढना, सिर, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होना, आंखों के पिछले हिस्से में दर्द होना, बहुत ज्यादा कमजोरी लगना, भूख न लगना, मुंह का स्वाद खराब होना, गले में हल्का-सा दर्द होना मुख्य है।

सार-समाचार

एन.सी.सी. यूनिट का निरीक्षण किया

ग्रुप कमांडर जितेन्द्र सिंह ने राज आर एण्ड वी स्क्वाड्रन एनसीसी यूनिट का निरीक्षण किया।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर स्थित 1 राज आर एंड वी स्क्वाड्रन एनसीसी यूनिट द्वारा मंगलवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें मुख्य अतिथि ग्रुप कमांडर, जोधपुर जितेंद्र सिंह ने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कॉलेज एजुकेशन में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के बारे में जानकारी दी। ग्रुप कमांडर ने बताया कि स्टूडेंट्स को कॉलेज एजुकेशन में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के अंतर्गत परंपरागत कोर्सेस के साथ अपनी पसंद के सर्टिफिकेट कोर्सेस करने की छूट दी गई है। अतः विद्यार्थी एकेडमिक कोर्सेस के साथ-साथ एन.सी.सी. ज्वाइन करके इसका लाभ ले सकते है। जो कि उनके कैरियर विकास में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुलपति राजुवास आचार्य मनोज दीक्षित ने कैडेट्स से संवाद कर उन्हें सैन्य सेवाओं में भी जाने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही हॉर्स राइडिंग को अपना जुनून बनाकर इससे अपना कैरियर एवं व्यक्तित्व विकास करने पर बल दिया। इस दौरान अधिष्ठाता प्रो. हेमंत दाधीच ने बताया विद्यार्थी स्कूल और कॉलेज स्तर पर एनसीसी के आर्मी, नेवी और एयर फोर्स तीनों ही विंग के विभिन्न लेवल सर्टिफिकेट कोर्सेस ज्वाइन कर सकते है जो कि उनमें एकता के साथ-साथ अनुशासन और टीम लीडरशिप की गुणवत्ता को विकसित करने में सहायक होंगे। इस अवसर पर कैडेट्स ने हॉर्स जंपिंग, टैंट पैकिंग एवं अन्य गतिविधियों की शानदार प्रस्तुति दी। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल डी. एस. दुहन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एनसीसी द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए यूनिट का भ्रमण करवाया। इस अवसर पर प्रो. प्रवीण बिश्नोई, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. अशोक डांगी सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण, सीटीओ डॉ. अमित चौधरी, जेसीओ संजय यादव आदि उपस्थित थे।

गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में रोष

श्रीकरणपुर, (कासं)। गांव 13 एफएफ मानकसर के निकट लूट के इरादे से हुए जानलेवा हमले के प्रकरण में चार थानों की पुलिस काम कर रही है लेकिन आरोपी पुलिस की पहुंच से बाहर हैं। पुलिस के मुताबिक मामले में गहनता से जांच की जा रही है और कई लोगों से थाने में पूछताछ हो चुकी है लेकिन कोई अहम सुराग अभी तक हाथ नहीं है। मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में रोष व्याप्त है। इसे लेकर जनप्रतिनिधियों व अन्य लोगों ने सीआई के समक्ष आक्रोश भी जताया है। उधर सीआई सुरेंद्र प्रजापत ने बताया कि गांव 13 एफएफ मानकसर के निकट घटनाक्रम को लेकर डीएसपी संजीव चौहान के निर्देशन में वृत के विभिन्न थानों की पुलिस की टीमें बनाकर अलग-अलग जगहों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक करीब 40 संदिग्ध लोगों से थाने में पूछताछ की है लेकिन कोई अहम सुराग हाथ नहीं लगा है। इसके अलावा स्थानीय थाने की तीन टीमों के साथ पदमपुर, गजसिंहपुर व केसरीसिंहपुर की पुलिस टीमें भी बराबर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि घटनाक्रम के आरोपी सोनू सिंह निवासी 11 एफएफ के घर से एक अवैध पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मामले में सोनू की पत्नी गगनदीप कौर पर गजसिंहपुर थाने में मुकदमा भी दर्ज हुआ है। सीआई ने बताया कि आरोपियों को पकडने के लिए पुलिस के तकनीकी सैल का भी सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने मामले में कोई ठोस सुराग मिलते ही आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही।

गरबा 'नाचै रे मोर' की धूम

बीकानेर, (कासं)। गुजरात के गरबा के राजस्थान में बढ़ते क्रेज के बीच शहर के राजस्थानी गीतकार शंकरसिंह राजपुरोहित का राजस्थानी गरबा रास 'नाचै रे मोर' लांच हुआ है। राजस्थानी लोकगीतों के प्रसार के लिए प्रख्यात यू-ट्यूब चैनल वीणा म्यूजिक जयपुर से आज जारी किए गये गीत 'नाचै रे मोर' को मुंबई के सुप्रसिद्ध संगीतकार बिरज कुमार महन्तो ने स्वरबद्ध किया है। राजस्थान रत अवार्ड से सम्मानित के. सी. मालू द्वारा निर्मित इस गीत को राजस्थान के कई शहरों में नवरात्रि पर आयोजित गरबा इवेंट्स में शामिल किया गया है। इस गरबा गीत के लेखक शंकरसिंह राजपुरोहित को हाल ही में नई दिल्ली में प्रवासी राजस्थानियों की संस्था राजस्थान रत्नाकर ने अपने प्रतिष्ठित रूपराम को राजस्थानी लोकगीत लेखन पुरस्कार से सम्मानित किया है।

37 अवैध जल कनेक्शन काटे

बीकानेर, (कासं)। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों में अवैध जल कनेक्शन व पेयजल का दुरूपयोग करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। इसी श्रृंखला में जिले में अधीक्षण अभियंता राजेश पुरोहित के निर्देशानुसार उपखंड स्तर पर टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों द्वारा संबंधित क्षेत्र में अवैध जल कनेक्शन को चिन्हित कर विच्छेद करने की कार्यवाही की जायेगी। इसके अतिरिक्त अवैध जल कनेक्शन व पेयजल का दुरूपयोग करने वालों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाते हुए शास्ती भी आरोपित की जायेगी। जलदाय विभाग शहरी क्षेत्र में 2 जल संबंधों को नियमित किया गया व 37 अवैध जल संबंधों व पेयजल का दुरूपयोग करने वालों के जल संबंध विच्छेद किए गये। ग्रामीण क्षेत्रों में 3 जल संबंधों को नियमित किया व 152 जल संबंध विच्छेद किए।

बंगाल और बीकानेर की मिट्टी से बनता है मां दुर्गा का स्वरूप

बीकानेर, (कासं)। कहते हैं व्यक्ति कहीं भी रहे, मन में अपनी माटी, कला, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने की ललक रहती है, तो न साधन का अभाव होता है और न ही स्थान का। व्यक्ति अपनी मेहनत और लगन से एक ऐसा बीज रोपित कर ही देता है, जो आने वाली शताब्दियों में एक वट वृक्ष का रूप धारण कर लेता है। ऐसा ही हो रहा है शारदीय नवरात्र में बंगाली समाज की ओर से मनाये जा रहे दुर्गा पूजा महोत्सव का। शहर में वर्ष 1942 से बंगाली समाज की ओर से दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

दुर्गा पूजा महोत्सव आयोजन से जुड़े बिश्वजीत घोषाल के अनुसार बीकानेर में बंगाली समाज की दुर्गा प्रतिमा बंगाल से लाई गंगा नदी की मिट्टी और स्थानीय पवित्र सरोवरों की चिकनी मिट्टी से तैयार होती है। घास, बांस, सूतली से शुरूआती आकार दिया जाता है। पर्यावरण अनुकूल रंगों से रंग कर वस्त्र, आभूषण पहनाएं जाते हैं व अस्त्रों से देवी प्रतिमा को सुसज्जित किया जाता है।

- **शारदीय नवरात्र में बंगाली समाज की ओर से दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी जोरों पर**

बिश्वजीत घोषाल व बंगाली समाज के लोगों के अनुसार बीकानेर में वर्ष 1942 से दुर्गा पूजा महोत्सव के प्रारंभ होने का इतिहास है। वर्ष 1947 से निर्बाध रूप से मां दुर्गा, मां काली, मां सरस्वती की पूजा के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

शुरू के वर्षों में स्थायी स्थान के अभाव में विभिन्न स्थानों यथा कलावती भवन, गंगाशहर रोड, जज साहब की कोठी रानी बाजार, एमईएस बंगला रेलवे ऑफिस के पास स्थानों पर आयोजन हुए। ऐसी स्थिति में डॉ. ज्ञानेन्द्र कृष्ण मुखर्जी (तत्कालीन अधीक्षक पीबीएम अस्पताल) ने रानी बाजार स्थित अपनी निजी जमीन पर पूजा आयोजन के लिए भवन निर्माण का निर्णय लिया। तब डॉ. मोतीलाल घोषाल, ज्योतिषचंद्र घोष, डॉ. हेमचन्द्र राय, टी.डी. मुखर्जी, ए. सी. भट्टाचार्य, काली पदो बाबू, ओ. के. बनर्जी, पंकज कुमार दास व समाज के अन्य लोगों ने तन, मन व धन से सहयोग कर भवन का निर्माण करवाया। वर्ष 1959 में पहली बार नवनिर्मित भवन में मां दुर्गा की पूजा आरंभ की गई, जो निरंतर जारी है।

शर्मा कॉलोनी, रानी बाजार स्थित बंगाली मंदिर में मां दुर्गा की प्रतिमा का स्वरूप दशकों से एक जैसा है। हर साल मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ भगवान गणेश, कार्तिक, लक्ष्मी और सरस्वती की भी प्रतिमाएं तैयार की जाती है। मां दुर्गा की प्रतिमा दस भुजी होती है।

हाथों में त्रिशूल, खडग, गदा, शंख, चक्र इत्यादि अस्त्र होते हैं। प्रतिमा के साथ मां का वाहन सिंहराज व महिषासुर भी होता है। महोत्सव में मां काली और मां सरस्वती की अलग से पूजा होती है।

संस्थान अध्यक्ष संदीप साहा के अनुसार लगभग 20 दिन में देवी की प्रतिमा बनकर तैयार होती है। बंगाल से आने वाले कलाकार प्रदीप व उनके सहयोगी इसे तैयार करते हैं।

वेटरनरी स्नातक प्रवेश काउंसलिंग 10 को

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक एवं सम्बद्ध वेटरनरी कॉलेजों में उपलब्ध सीटों पर बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश आवंटन हेतु गुरुवार को वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर के ऑडिटोरियम काउंसलिंग आयोजित की जायेगी।

चेयरमैन स्नातक प्रवेश मण्डल प्रो. हेमन्त दाधीच ने बताया कि बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय के तीन सरकारी महाविद्यालयों वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, वेटरनरी कॉलेज, नवानियां उदयपुर एवं पी.जी.आई.वी.ई.आर. जयपुर के साथ-साथ, सम्बद्ध निजी महाविद्यालयों में कॉलेज आवंटित अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण-पत्रों की जांच एवं फीस जमा करवाने की प्रक्रिया की जायेगी। इन महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को उनके नीट (यू.जी.) -2024 की मेरिट, ऑनलाइन काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन में चुने हुए महाविद्यालयों की प्राथमिकता एवं राजस्थान राज्य आरक्षित नीति के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा।

'रसायनशाला प्रबंधन का रवैया श्रमिक विरोधी'

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान स्टेट रोडवेज एम्पलायज यूनियन (एटक) ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर मोहता रसायन शाला लेबर यूनियन के आंदोलन को समर्थन करते हुए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।

रोडवेज यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्यामदीन एवं शाखा अध्यक्ष डूंगरदान चारण के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को दिये गये ज्ञापन में कहा कि पिछले लम्बे समय से मोहता रसायन शाला प्रबन्धन की ओर से श्रमिकों की मांगों की उपेक्षा किये जाने निंदा की।

क्षेत्रीय अध्यक्ष श्यामदीन ने बताया कि रसायनशाला के श्रमिकों का पहले तो 7 साल समझौते को कोरोना की आड में दो वर्षों के लिए बढाया गया। जब दो वर्ष पूर्ण होने के बाद यूनियन ने श्रमिकों की मांगों को उठाकर मांग पत्र दिया तो पहले 5 महीने तक प्रबंधन ने बातचीत नहीं की और 5 महिने के बाद यूनियन को वार्ता के लिए बुलाया।

दोनों पक्षों की परस्पर बातचीत के बाद मांगों की सहमति हो चुकी थी। जिसमें प्रत्येक श्रमिक को 300 रुपये बढाने, प्रत्येक श्रमिक को पहले की भांति 10 प्रतिशत वेतन बढोतरी करने

- **मोहता रसायन शाला लेबर यूनियन के आंदोलन को एटक का समर्थन**

पिछले समझौते की तर्ज पर श्रम विभाग की ओर से प्रतिवर्ष दो बार महंगाई सूचकांकों के आधार पर बढाये जाने वाले महंगाई भत्ते का 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाने पर सहमति हुई थी।

परन्तु प्रबंधन की ओर से सहमति के बिन्दुओं में फेरबदल करने पर आपत्ति उठाई है। इसके बाद प्रबंधन की ओर से टालमटोल कर दुबारा से वार्ता नहीं की।

उन्होंने बताया कि यदि रसायन शाला प्रबंधन समय रहते रसायन शाला श्रमिकों की मांगों को स्वीकार नहीं करता है तो रोडवेज एटक यूनियन उनके आंदोलन में अपनी भूमिका निभायेगी। रोडवेज के डूंगरनाथ, सादुल चारण, मूलाराम, तेजपाल लखारा, किशन सिंह चौहान, जाहिद हुसैन इत्यादि मौजूद थे।

10 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलम्बित

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में नशे की औषधियों की अवैध क्रय-विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला कलेक्टर के आदेशों पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की औषधि विंग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न मेडिकल स्टोर की जांच व निरीक्षण किया गया। कमियां व अनियमितता पाये जाने पर दस मेडिकल स्टोर के अनुज्ञा पत्र निलम्बित किये गये हैं।

सहायक औषधि नियंत्रक अशोक कुमार मित्तल ने बताया कि धींगड़ा सर्जिकल एण्ड फार्मा श्रीगंगानगर का 14 अक्टूबर के लिये, मक्कड मेडिकोज श्रीकरणपुर का 10 से 15 अक्टूबर, जगदम्बा मेडिकल स्टोर केसरीसिंहपुर का 14 से 16 अक्टूबर, जय मेडिकल स्टोर 6 वी धनूर का 14 से 15 अक्टूबर, गुरू कृपा मेडिकल स्टोर 6 वी धनूर का 14 से 28 अक्टूबर, फ्रैण्डस मेडिकोज श्रीगंगानगर का 14 से 28 अक्टूबर, स्टार मेडिकोज भगवानसर सूरतगढ़ का 14 से 28 अक्टूबर, शिव मेडिकल स्टोर चक 9 एसजीआर का 14 से 23 अक्टूबर तक, स्वास्तिक मेडिकोज अनूपगढ़ का 14 से 16 अक्टूबर तथा लम्मी मेडिकोज डाबला का 14 से 20 अक्टूबर 2024 तक के लिये अनुज्ञापत्र निलम्बित किये गये हैं।

योग प्रतियोगिता आज

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के योग विभाग द्वारा आयोजित षष्टतम अंतर महाविद्यालय योग प्रतियोगिता 9 अक्टूबर को होगी।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित और स्वामी विमर्शानन्द गिरि होंगे। प्रतियोगिता के लिए लगभग 16 पुरूष एवं महिला टीमों की प्रविष्टि विभाग को प्राप्त हो चुकी है। आयोजन अध्यक्ष डॉ धर्मेश हरवानी तथा आयोजन सचिव डॉ सीमा शर्मा ने बताया कि बाहर से आने वाली टीमों की व्यवस्था विश्वविद्यालय परिसर के गेस्ट हाउस में की गई है। योग प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं के लिए कमेटियों का गठन किया गया है।

तीन दशक से सेम की समस्या, फिर भी शर्मशार नहीं सरकारी तंत्र

हनुमानगढ़, (कासं) जिले में सेम की समस्या तीन दशक से अधिक समय से बनी हुई है। इसके समाधान को लेकर ठोस योजना तो बनी लेकिन जमीनी तौर पर कारगर साबित नहीं हुई। इस वजह से किसानों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

स्थिति यह है कि सेम के पानी की निकासी को लेकर बनाया गया सेम नाला अनावश्यक वनस्पति से अटा पड़ा है। पिछले दो वर्षों से सेम नाले की शील्ट सफाई नहीं होने से सेम क्षेत्र के किसानों में सिंचाई विभाग के प्रति रोष बना हुआ है। किसानों का कहना है कि भैरूसरी से बड़ोपल तक बने सेम नाले की एक मुश्त शील्ट सफाई करवाने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कई बार मांग कर चुके हैं। बार-बार चक्कर काटने के बावजूद अफसर गंभीर नहीं हो रहे हैं। भविष्य में बड़ी योजना बनाने का दिलासा देकर अफसर पल्ला झाड़ रहे हैं। किसान संजय गोदारा के अनुसार बड़ोपल पम्पिंग स्टेशन पर पानी उठाव करने वाले पांच में से तीन पम्प चल रहे हैं। मगर बड़े विद्युत ट्रांसफार्मर के अभाव में चौथा पम्प शुरू करने पर लोड लेकर पूरा सिस्टम बंद हो जाता है।

बड़ोपल ढाब से पम्पिंग स्टेशन तक बने सेम नाले की गहराई भी कम होने से सेम नाले में पानी का लेवल कम नहीं हो रहा है। अधिकारियों को सेम नाले की गहराई बढ़ाने को लेकर कार्य करने की जरूरत है। ताकि सेमनाले का पानी कम समय में उठाव होने से किसानों को राहत मिल सके। किसान नेताओं का कहना है कि इंदिरा गांधी नहर में रिसाव के चलते सेम की समस्या बनी। सेम समस्या निदान के लिए सरकार स्तर पर अलग से वार्षिक बजट का प्रावधान करना चाहिए। जिससे बिजली बिलों को भरने, इनके रखरखाव तथा सील्ट सफाई कार्य आदि समय पर पूर्ण हो सके।

जनप्रतिनिधियों के सुझाव लेकर आमजन की समस्याओं का समाधान करें : जिला प्रमुख

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला प्रमुख कविता मेघवाल की अध्यक्षता में जिला परिषद की साधारण सभा मंगलवार को सामुदायिक भवन में हुई। इसमें कृषि, पशुपालन, विद्युत, पानी, सड़क निर्माण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सहित आमजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की गई।

बैठक में सभी विभागीय उच्चाधिकारियों ने जिले में विकास कार्यों की प्रगति और गत बैठक की पालना के बारे में जानकारी दी। जिला परिषद सदस्यों ने क्षेत्र के कार्यों में आई परेशानियों से अवगत कराया। इसमें जनप्रतिनिधियों ने जल जीवन मिशन में पानी कनेक्शन, श्रम कल्याण, खालों के निर्माण, नशा सामग्री की बिक्री, आठ बजे बाद भी शराब की बिक्री, नहरों की सफाई, सड़क निर्माण सहित कई मुद्दे उठाए। इस पर संबंधित विभागीय अधिकारियों ने यथा स्थिति से अवगत कराया और जल्द समाधान के लिए आश्वस्त किया।

जिला प्रमुख कविता मेघवाल ने

हनुमानगढ़ जिला प्रमुख कविता मेघवाल ने जिला परिषद की साधारण सभा को संबोधित किया।

कहा कि विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधियों के सुझाव और राय लेकर विकास कार्यों की गति बढ़ाए। बैठक में सामने आये विषयों पर पूर्ण संवेदनशीलता और पारदर्शिता से तुरंत कार्यवाही की जाए। किसी भी स्तर पर कौताही नहीं बरतें। जिला कलेक्टर कानाराम ने कहा कि अंतिम छोर तक आमजन लाभान्वित हो, इसके लिए पूर्ण मनोयोग से कार्य कराएं। कार्यों से पहले जनप्रतिनिधियों के साथ मौका निरीक्षण किया जाए। देर रात तक शराब बिक्री की सूचना पर औचक निरीक्षण करें।

पुलिस अधीक्षक अरशद अली ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और आमजन के सहयोग से ही नशे की रोकथाम संभव है। इसलिए नशे से संबंधित सूचनाएं तुरंत पुलिस को दें। साथ ही नशे को बढ़ावा देने या लिप्त पुलिसकर्मी की सूचना मुझे दी जाए। ऐसे पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। सीईओ ओ.पी. बिश्नोई ने कहा कि पंचायती राज व ग्रामीण विकास कार्मिक जनहित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। खेल मैदान जैसे कार्यों की गति बढ़ाऐं। सभा में पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, रसद, जल संसाधन, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण, शिक्षा, पशुपालन, कृषि, श्रम, आबकारी सहित विभिन्न विभागीय कार्यों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उप जिला प्रमुख मुकेश सहारण, पीलीबंगा विधायक विनोद गोठवाल, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति प्रधान, एसीईओ सुनील छाबड़ा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

- **जिला परिषद साधारण सभा की बैठक में विद्युत, पानी, सड़क निर्माण कार्यों पर की चर्चा**

'महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागृति लाने से इलाज संभव'

बीकानेर, (कासं)। राजकीय स्कूल ऑफ नर्सिंग व नर्सिंग कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आज ब्रेस्ट कैंसर माह के उपलक्षय में ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया। सेमिनार का उद्घाटन कैंसर विभाग के विभागाधयक्ष व प्रोफेसर डॉ सुरेन्द्र बेनीवाल ने किया।

सेमिनार को संबोधित करते हुए डॉ सुरेन्द्र बेनीवाल ने बताया कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागृति लाना और उसका जल्द निदान से इसका पूर्ण इलाज संभव है। उन्होंने इसके लिए कुछ वातावरणीय कारकों रेडिएशन, हार्मोनल कारणों, आनुवंशिकी कारणों को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका में हर 8 ब्रेस्ट कैंसर महिला में से एक की ही मृत्यु होती है। शेष का सुखद भविष्य रहता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में रेडिएशन फ्री व दर्द रहित मेमोग्राफी सुविधा पीबीएम अस्पताल में उपलब्ध हो गई है।

डॉ सुरेन्द्र बेनीवाल ने महिलाओं में होने वाले ब्रेस्ट कैंसर पर अवेयरनेस सेमिनार को सम्बोधित किया।

सेमिनार को संबोधित करते हुए गायनोकॉलोजी विभाग की प्रोफेसर डॉ स्वाति फलोदिया ने बताया कि महिलाओं को छोटी सी गांठ या ब्रेस्ट में असामान्य महसूस होने पर समय पर चिकित्सीय सहायता नहीं लेती है और बताने में हिचकिचाती है जो कि इसकी गंभीरता बढ़ा देती है। यहां तक अपने पति को भी नहीं बता पाती है जो गलत है। इसे जनजाग्रति अभियान के रूप में लिया जाना चाहिए। उन्होंने स्वस्थ दिनचर्या अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने सेमिनार को संबोधित किया।

'रबी के लिए 2 हजार क्विंटल बीजों का उत्पादन करेगा एस.के.आर.ए.यू.'

रबी फसल के लिए बीज उत्पादन को लेकर समीक्षा बैठक को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरूण कुमार ने संबोधित किया।

■ रबी फसल 2024-25 के लिए बीज उत्पादन को लेकर समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया

बीकानेर,(कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय रबी फसल 2024-25 के लिए कुल करीब 02 हजार क्विंटल बीजों का उत्पादन करेगा।

जिन फसलों के बीजों का उत्पादन किया जायेगा उनमें गेहूं, चना, सरसों, जीरा, मैथी, इसबगोल, रिजका, काचरी आदि के प्रजनक बीज, आधार बीज, प्रमाणित बीज शामिल है। राष्ट्रीय बीज परियोजना के अंतर्गत रबी फसल 2024-25 में बीज उत्पादन को लेकर कुलपति डॉ अरूण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पूर्व निदेशक बीज डॉ सी.पी.सचान थे।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पूर्व निदेशक बीज डॉ सी.पी.सचान ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक स्थानीय आवश्यकता एवं मांग के अनुसार विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों का उत्पादन करें। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक आधार एवं प्रमाणित बीजों का ज्यादा उत्पादन करें ताकि कृषि विश्वविद्यालय को राजस्व की प्राप्ति अधिक हो।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि बीज उत्पादन में किसानों की सहभागिता को बढ़ाया जाए। सभी केवीके कम से कम 5-5 किसानों के साथ सहभागिता करते हुए संबंधित किसान के खेत पर ही उच्च गुणवत्ता का बीज उत्पादन करें। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाला बीज उत्पादन को लेकर किसानों को प्रशिक्षण भी दें। कुलपति ने बीज उत्पादन से संबंधित सभी कृषि वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि उच्च क्वालिटी के आधार बीज, प्रमाणित बीज ज्यादा से ज्यादा पैदा कर क्षेत्र के किसानों को समय पर उपलब्ध करवाएं। अगर हमारे किसानों को उच्च गुणवत्ता का बीज समय पर मिलता है तो उत्पादन स्वतः ही 40-50 फीसदी तक बढ़ जायेगा।

वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री ने सुझाव दिया कि उच्च गुणवत्ता के बीज उत्पादन हेतु ठेके पर बीज उत्पादन कार्य की मॉनिटरिंग अच्छे से की जाए। निविदा के समय ऐसी टर्म एंड कंडीशन हो कि उच्च गुणवत्ता बीज उत्पादन हेतु ठेकेदारों पर नियंत्रण बना रहे।

इससे पूर्व अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पी.सी. गुप्ता ने रबी फसल 2023-24 में विभिन्न फसलों के सभी श्रेणी में उत्पादित किए गए बीजों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। साथ ही रबी फसल 2024-25 में विभिन्न फसलों के सभी श्रेणी में उत्पादन किए जाने वाले बीजों के लक्ष्य का प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम के आखिर में बीज उत्पादन अधिकारी डॉ जे. के. तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ विजय प्रकाश, प्रसार निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पी.सी.गुप्ता समेत जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय से आये अनुसंधान निदेशक, डॉ मनमोहन सुंदरिया, प्रसार निदेशक डॉ प्रदीप पगारिया, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ सैमुअल जुबेरस्रन, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय व जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के सभी केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष समेत हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू, झुंझुनूं और जैसलमेर से आये वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

वहीं वेटरनरी विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय और बीकानेर जिला उद्योग संघ के संयुक्त तत्वावधान में "बीकानेर में पशुधन आधारित उद्यम: परिदृश्य और संभावनाएं" पर परिचर्चा के लिए वैज्ञानिक-उद्योग सम्पर्क बैठक का आयोजन 10 अक्टूबर को प्रातः 11.00 बजे कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित की अध्यक्षता में किया जायेगा।

बैठक में बीकानेर जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष डी.पी. पचीसिया भी शामिल होंगे। प्रो. राजेश कुमार धूड़िया, निदेशक प्रसार शिक्षा ने बताया कि इस परिचर्चा में पशु चिकित्सा एवं पशुपालन के क्षेत्र से जुड़े हुए बीकानेर के विभिन्न उद्योगों जैसे डेयरी, ऊन, मुर्गी व अण्डा, पशु आहार एवं विभिन्न डेयरी उत्पाद उद्योगों के उद्यमियों के साथ इस क्षेत्र के विकास, बाधाएं, संभावनाएं एवं आगामी कार्ययोजना पर परिचर्चा की जायेगी। वेटरनरी विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी इस परिचर्चा में शामिल होंगे।

बीकानेर में राइजिंग समिट 13 नवम्बर को

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में राइजिंग राजस्थान समिट 13 नवम्बर को लक्ष्मी निवास पैलेस में होगी।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अगुवाई में इसकी तैयारियां वृहद स्तर पर चल रही हैं। वृष्णि जिले में निवेश करने वाले निवेशकों के संपर्क में हैं। रीको और उद्योग विभाग द्वारा उपखण्ड स्तरीय औद्योगिक क्षेत्रों में बैठकें की जा रही हैं और निवेशकों को भागीदारी के लिए आव्हान किया जा रहा है। जिले में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अब तक 82 निवेशकों ने जिले में 1 हजार 270 करोड़ रुपये के निवेश की मंशा जाहिर की है।

इससे जिले में 4 हजार 100 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा ने बताया कि जिले में सोलर, सिरेमिक, पर्यटन, एग्रो फूड, फूड, होटल एंड रिसॉर्ट, कोल्ड स्टोरेज और ऊन आधारित उद्योगों से जुड़े एमओयू हुए हैं।

गोदारा ने बताया कि निवेश इकाई विस्तार के लिए बीकाजी फूड द्वारा 100 करोड़, जयपुर की ओविक सोलर एलएलपी द्वारा सोलर क्षेत्र में 200 करोड़, जोधपुर के डॉ सुनील चाण्डक द्वारा 100 बैड के अस्पताल निर्माण के लिए 100 करोड़ तथा साई बीएसएलपी बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद द्वारा बायो फ्यूल उद्योग क्षेत्र में 123.33 करोड़ रुपये का निवेश किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में और अधिक निवेशकों से संपर्क किया जायेगा। जिससे बीकानेर में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो।

सार-समाचार

ई-वेस्ट के बढ़ने पर चिंता जताई

सस्टेनेबल ई-वेस्ट मैनेजमेंट कार्यशाला को कपिल नायल ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय इलेक्ट्रोनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में सस्टेनेबल ई-वेस्ट मैनेजमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति मनोज दीक्षित द्वारा ई-वेस्ट के बढ़ते आंकड़ों पर चिंता व्यक्त करते हुए आने वाली पीढ़ी के भविष्य हेतु ई-वेस्ट मैनेजमेंट पर ध्यान देने पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नाइलिट सेंटर, बीकानेर के डायरेक्टर कपिल नायल द्वारा ई-वेस्ट मैनेजमेंट की विभिन्न तकनीकों से छात्रों को अवगत करवाया। इस कार्यक्रम में 72 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर राजाराम चोयल, अतिरिक्त कुलसचिव डॉ बिट्ठल दास बिस्सा, डॉ धर्मेश हरवानी, डॉ अनिल कुमार दुलार, डॉ मेघना शर्मा, डॉ लीला कौर, डॉ प्रभुदान चरण, डॉ सीमा शर्मा, डॉ प्रगति शर्मा, डॉ संतोष कंवर शेखावत, दीपा राव व शरदकांत स्वामी उपस्थित थे।

झपटमार गैंग फिर एक्टिव

बीकानेर, (कासं)। यहां झपटमार गैंग एक बार फिर हुई एक्टिव हो गई। शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में तीन वारदातों को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। रामपुरा बस्ती गली नंबर 19 निवासी मृदुला मिश्रा (46) पत्नी भवानी शंकर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सात अक्टूबर को दोपहर करीब सवा दो से तीन बजे वह रेलवे हॉस्पिटल रोड लालगढ़ के पास से टैक्सी में गुजर रही थी। रास्ते में बाइक पर सवार दो नकाबपोश व्यक्तियों ने चलती हुई टैक्सी से मेरे हाथ से पर्स पर झपट्टा मार कर छीन ले गए। पीड़िता की रिपोर्ट पर मुक्ताप्रसाद नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। रानीबाजार निवासी प्रीती पारीक (33) पत्नी कौशल पारीक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह जूनागढ़ के सामने गुमटी के पास से गुजर रही थी। इस दौरान बाइक पर सवार तीन व्यक्ति उसके पास आए। उनमें से दो नकाबपोश व्यक्तियों ने झपट्टा मार कर बैग छीन लिया और भाग गए। सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसी तरह चिड़ावा झुंझुनूं निवासी अंकित कुम्हार पुत्र दिनेश चंद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सात अक्टूबर को कोलायत जाने के लिए श्रीगंगानगर सर्किल पर बस में बैठा था। इस दौरान दो लोग आए और बस में बैठ गए। कुछ देर बाद उन्होंने मेरा बैग उठाया और भाग गए। सदर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

पासवान की पुण्यतिथि मनाई

बीकानेर, (कासं)। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान की चौथी पुण्यतिथि मंगलवार को लोजपा (आर) बीकानेर इकाई की ओर से सेवा दिवस के रूप में मनाई गई। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रमजान मुगल के सानिध्य में कार्यकर्ताओं ने स्व. रामविलास पासवान के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि देने के साथ उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। गरीबों और असहायों को भोजन कराया एवं फल वितरण किये गये। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव रमजान मुगल ने कहा कि स्व. रामविलास पासवान राष्ट्रसेवा के समर्पित जननेता थे। स्व.पासवान ने अपने राजनीति जीवनकाल में हर मोर्चे पर दलितों,शोषितों और मजलूमों के लिये संघर्ष किया। पार्टी के प्रदेश सचिव मंजूर कलाकार ने कहा कि शोषित वर्ग की आवाज बने स्व. रामविलास पासवान ने भारतीय राजनीति को नई दिशा देने में अहम योगदान दिया। वहीं जिला अध्यक्ष कुलदीप तंवर ने कार्यकर्ताओं को स्व. रामविलास पासवान के आदर्शों पर चलने का आव्हान किया। इस मौके पर नासीर हुसैन, कादीर हुसैन, लक्ष्मण सिंह पंवार, किसन सिंह, सदु खान, जाकिर खान, सवाई सिंह, किशोर सिंह, हनुमान तंवर, वेदप्रकाश पंवार, कुन्दन तंवर, मधुसूदन ओझा, सुशील ओझा, नानूराम नायक, फरमान मुगल, उस्मान अली, मोहम्मद अयूब समेत अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

बकाया कार्य पूरे कराने के निर्देश

बीकानेर, (कासं)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं में प्रगति की समीक्षा बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने कहा कि विकास अधिकारी विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति की समीक्षा कर विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा कर आमजन को लाभ दें। पीएमआवाई ग्रामीण तथा शहरी की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि बकाया कार्य अगले सात दिन में पूरे किए जाएं। जियो टैगिंग से बकाया कार्य को जियो टैग करवाएं। सोहनलाल ने कहा कि आर आर सी के तहत ग्रामों में सफाई कार्य प्रारम्भ करवाएं। इसके लिए सभी गांवों में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर घर- घर कचरा संग्रहण के लिए रूट चार्ट तैयार कर लें। कचरे के सेग्रीगेशन के लिए रिकॉर्ड रखें। स्वच्छता गतिविधियों के संबंध में रजिस्टर संधारण करना होगा जिसमें फीडबैक अंकित किया जायेगा। इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जायेगी। सोहनलाल ने कहा कि बजट घोषणा की अनुपालना में स्कूलों में बकाया पिंक शौचालयों की स्वीकृति शीघ्र कर इन्हें समय पूरा करवाया जाए। भूमि स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पांचू, नोखा बीकानेर पंचायत समिति भूमि स्वामित्व की बकाया रिपोर्ट जल्द भिजवाएं। बैठक में आदर्श ग्राम योजना, सोख्ता कुएं निर्माण हेतु सूची भिजवाने,मनरेगा श्रमिकों का भुगतान, श्रमिकों की संख्या बढ़ाने, 100 दिन रोजगार का अधिकतम लाभ देने के निर्देश दिए गए। बैठक में समस्त विकास अधिकारी और अभियंता उपस्थित रहे।

फिर हुंकार भरने को तैयार हो रहा दशानन का परिवार

■ दशहरा के लिए कारीगर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों को तैयार करने में दिन रात जुटे हैं

बीकानेर, (कासं)। अधर्म पर धर्म की जीत का पर्व दशहरा शहर में धूमधाम से मनाया जायेगा। कई स्थानों पर दशहरा महोत्सव के आयोजन होंगे। रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन होगा।

भव्य आतिशबाजी होगी। दशहरा पर शहर में सचेतन झांकियां निकाली जायेंगी। दशहरा महोत्सव को लेकर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले तैयार हो रहे है। डॉ. करणी सिंह स्टेडियम, पॉलिटेक्निक कॉलेज, धरणीधर खेल मैदान, मुरली मनोहर मैदान पर दशहरा महोत्सव के आयोजन होंगे। महोत्सव को लेकर एक बार फिर दशानन परिवार हुंकार भरने के लिए तैयार हो रहा है।

दशहरा के लिए कारीगर पुतलों को तैयार करने में दिन रात जुटे हुए है। दशहरा कमेटियां मुख्य समारोह सहित सचेतन झांकियां निकालने की तैयारियों में भी जुटी हुई है। धरणीधर दशहरा कमेटी की ओर से आयोजित होने वाले दशहरा महोत्सव के दौरान रावण के पुतले का दहन शंखनाद के बीच होगा। शंख ध्वनि और जय श्रीराम के जयघोष के बीच रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद का अहंकार धूं-धूं कर जल उठेगा।

कमेटी के राजेश चूरा के अनुसार इस बार रावण के पुतले के दहन के साथ ही महोत्सव स्थल पर शंखनाद किया जायेगा। कमेटी अध्यक्ष के अनुसार मैदान को सजाने और लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए है। पुख्ता पुलिस जाब्ता मौजूद रहेगा। रावण का दहन रात्रि 8 बजे होगा। धरणीधर ट्रस्ट अध्यक्ष नंदकुमार आचार्य के अनुसार इस बार शंखनाद को उत्सव का मुख्य हिस्सा बनाया गया है। भव्य आतिशबाजी होगी। कमेटी के दुर्गाशंकर आचार्य, जगमोहन आचार्य, नरेश आचार्य, मालचंद, सुनील रामावत, फूसाराम, बी.डी. आचार्य आदि सदस्य मैदान में विभिन्न व्यवस्थाओं को जिम्मा संभाले हुए है।

दशहरा महोत्सव के लिए रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले बनाए जा रहे है। इन पुतलों का आकार 65 से 85 फीट तक ऊंचा है। इनके सिर पर विशाल मुकुट लगाये जा रहे है। सैकड़ों पटाखों को इन पुतलों में रखा जा रहा है। उत्तरप्रदेश के कारीगर इन पुतलों को तैयार कर रहे हैं। भीनासर दशहरा महोत्सव के लिए रावण के पुतले को स्थानीय निवासी ही तैयार कर रहे हैं। डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में दशहरा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा।

संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा का स्वागत

बीकानेर, (कासं)। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी दौसा से पदोन्नत होकर संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा बीकानेर संभाग का पदभार ग्रहण करने पर शिक्षक संघ एलीमेंट्री सैकण्डरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद के नेतृत्व में गोविंद नारायण माली का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते संयुक्त निदेशक माली ने कहा कि कार्यालय के अधिक संभाग में कार्यरत शिक्षकों के सभी कार्यों का निस्तारण समय पर करवाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि आप सभी सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाएं व बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम रखें। साथ ही शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को लाभांवित करवाएं।

नमकीन फैक्ट्री व दुकानों से सैम्पल लिए

■ नोखा में फैक्ट्री से नमकीन व दुकानों से मिठाई के सैम्पल लिए

नोखा, (कासं)। प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोमवार को नोखा शहर के अलग-अलग तीन जगह पर कार्रवाई की। इसमें एक नमकीन फैक्ट्री में तेल व नमकीन का, दो मिठाई दुकानों पर नमकीन और मिठाई के सैंपल भरे।

यहां पर अन्य खाद्य उत्पादों की जांच भी की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेन्द्र प्रजापत ने बताया कि संपर्क पोर्टल पर मिली शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की गई है। इसमें रीको इंडस्ट्रीयल एरिया में जीकेजी नमकीन फैक्ट्री में नमकीन बनाने के काम में लिए जाने वाले तेल और तैयार की गई नमकीन के सैम्पल लिए गए हैं। नवली गेट, रेलवे फाटक के पास श्याम ज्यूस एंड नमकीन भंडार पर पुराने सतू के लड्डुओं को नष्ट कराया गया। यहां पर नमकीन के सैम्पल भरे गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रवण कुमार वर्मा व भानुप्रताप सिंह ने बताया कि रायसर फाटक पर महादेव मिष्ठान एंड नमकीन भंडार पर मिठाई के सैम्पल भरे गए। कार्रवाई टीम के अधिकारियों ने बताया कि भरे गए सैम्पलों को जांच के लिए लैबोरेट्री में भेजा जायेगा। कार्रवाई टीम ने दुकानदारों को मिलावटी व बासी मिठाई सहित किसी भी तरह के अवधिपार खाद्य पदार्थ नहीं बेचने और साफ-सफाई रखने की बात कही।

अभियान में कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। टीम के नोखा में कार्रवाई करने की भनक मिलते ही अन्य मिठाई विक्रेता सचेत हो गए। दुकान में रखी पुरानी व बासी मिठाई सहित अन्य अवधिपार के खाद्य उत्पादों को छिपाकर रख दिया।

पुनीत रंगा को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

बीकानेर, (कासं)। राज्य स्तरीय की प्रतिष्ठित संस्था अदबी उड़ान संस्था उदयपुर द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार और सम्मान प्रदत करने की समृद्ध परंपरा रही है। इसी के तहत वर्ष 2024 के नवें राष्ट्रीय अदबी उड़ान पुरस्कार के तहत बीकानेर के युवा साहित्यकार पुनीत कुमार रंगा को बाल साहित्य का राष्ट्रीय पुरस्कार देने की घोषणा संस्था के संस्थापक खुर्शीद शेख ने की।

रंगा को उक्त राष्ट्रीय बाल साहित्य पुरस्कार आगामी नवम्बर माह में उदयपुर में एक भव्य समारोह के तहत सम्मानित किया जायेगा। युवा कवि पुनीत कुमार रंगा की अब तक छः पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। जिनमे प्रमुख रूप से बाल साहित्य की 'आजारी री अलख', बाल विज्ञान, विज्ञान आस-पास और 'मुगती' यह चारों बाल साहित्य की चर्चित पुस्तकें है। इसी तरह रंगा के दो राजस्थानी काव्य संग्रह मुगत आभौ और 'लागी किण री निजर' प्रकाशित-चर्चित हो चुके है।

पुनीत कुमार रंगा राजस्थानी अकादमी के प्रेम जी प्रेम युवा पुरस्कार, राजस्थान बाल साहित्य अकादमी का विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी पुरस्कार, युवा कागद पुरस्कार आदि पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

इसके साथ-साथ आप नगर निगम बीकानेर, राव बीकाजी संस्थान, शबनम साहित्य परिषद आदि सहित कई प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा अपने साहित्यक योगदान के लिए सम्मानित हो चुके है।

संभागीय आयुक्त 15 को लेंगी समीक्षा बैठक

बीकानेर, (कासं)। संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी की अध्यक्षता में 15 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह ने बताया कि बैठक में बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा, भूमि आवंटन, पेयजल और विद्युत आपूर्ति, जल जीवन मिशन, मौसमी बीमारियों की स्थिति, अवैध खनन की रोकथाम, स्वच्छता ही सेवा, अमृत 2.0 और राइजिंग राजस्थान सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया जायेगा। सभी अधिकारियों को 9 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे तक आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध करवाने के लिए निर्देश दिए हैं।

नवपद ओली की आराधना, जाप व विशेष व्याख्यान आज से

■ जैनाचार्य की श्री सूरी मंत्र साधना 19 अक्टूबर तक चलेगी

बीकानेर, (कासं)। जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर के सानिध्य में मंगलवार को ढड्ढा चौक में प्रवचन में बीकानेर के मुनि सम्यक रतन सागर ने कहा कि मां-बाप, स्वजन, पांच महाव्रतधारी मुनि व साध्वी को दुःखी और परेशान करने वाले, हाय व बद दुआ लेने वाले जिंदगी में कभी सुख-चैन, धर्म, आध्यात्म की प्राप्ति नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि माता-पिता, स्वजन, गरीब व मेहनतकश मजदूर और घर परिवार को छोड़कर साधना, आराधना व भक्ति में लीन सच्चे संत का तिरस्कार, अपमान कर उन्हें शारीरिक, मानसिक व आर्थिक कष्ट पहुंचाने वाला, हाय लेने वाला कभी सुरक्षित, आनंद व धर्म और सुखमय जीवन नहीं जी सकता। शाश्वत धर्म क्रिया व आराधना नहीं कर सकता। उसके मानवता के गुण भी नष्ट हो जाते है। जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर 16 दिन की पांचवीं सूरी मंत्र साधना के दौरान मंगलवार को पांच दिन की तपस्या पूर्ण की।

आचार्य की श्री सूरी मंत्र साधना 19 अक्टूबर तक चलेगी। आचार्य श्री की सूरीमंत्र के साथ पांच दिवसीय तप की अनुमोदना चतुर्विद संघ ने की। जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर आदि ठाणा 18, साध्वी विचय प्रभा प्रभंजना आदि ठाणा के सानिध्य में बुधवार से नवपद ओली की तपस्या, जाप व विशेष व्याख्यान शुरू होगा।

नवपद ओली के अनुष्ठान 17 अक्टूबर को संपन्न होंगे। इसी दिन जैनाचार्य के सानिध्य में 29 जुलाई को ध्वजा कल्याणक पर शुरू हुआ 81 दिवसीय 5 करोड़ नवकार महामंत्र जाप अभियान संपन्न होगा। मुनिश्री सम्यक रतन सागर म.सा. ने बताया कि नवपद ओली के दौरान पंच परमेष्ठी के पांच पद अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय व साधु के साथ तप, ज्ञान, दर्शन व चारित्र की आराधना की जायेगी।

हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी जीत पर जलेबी खिलाकर जश्न मनाया

हरियाणा में जीत पर बीकानेर में भाजपा संभाग कार्यालय में आतिशबाजी कर जश्न मनाते भाजपाई।

■ हरियाणा में तीसरी बार भाजपा को बहुमत मिला

बीकानेर, (कासं) भारतीय जनता पार्टी शहर जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष विजय आचार्य की अगुवाई में हरियाणा में प्रचंड बहुमत से भाजपा सरकार बनने पर जिला पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को जलेबी खिलाकर पटाखे चलाकर खुशी मनाई।

शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार पर एक बार विश्वास जताया है। जनता के आशीर्वाद से हरियाणा में तीसरी बार भाजपा को बहुमत मिला है। पिछले दो तीन दिन से एग्जिट पोल अलग ही जनादेश दिखा रहा था। लेकिन हरियाणा की जनता ने अपना जनादेश बता दिया। हरियाणा की जनता ने राष्ट्रवाद के लिए, हिन्दुस्तान के लिए, विकसित भारत के लिए भाजपा को चुना है। देहात जिलाध्यक्ष जालम सिंह भाटी ने कहा भाजपा के प्रति अटूट विश्वास हरियाणा की जनता ने दिखाया है। इससे सिद्ध होता है कि मोदी के नेतृत्व में जो सरकार चल रही है। उस पर जनता ने मुहर लगा दी है और हरियाणा सरकार के कार्य पर भी मुहर लगाई है। पहली बार हरियाणा की जनता ने किसी पार्टी को तीसरी बार सरकार बनाने का मौका दिया है। इसके लिए, हरियाणा की जनता बधाई की पात्र है।

इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारणी सदस्य सत्यप्रकाश आचार्य, महामंत्री मोहन सुराणा, श्यामसुंदर चौधरी, नरेश नायक, उपाध्यक्ष आनंद सिंह भाटी, हनुमान सिंह चावड़ा, विजय उपाध्याय, मोती मनीष सोनी, सांगीलाल गहलोत, जगदीश सोलंकी, महेश व्यास, भारती अरोड़ा, अनु सुथार, कुणाल कोचर, जतिन सहल, महावीर चारण, भूपेन्द्र शर्मा, सुशील शर्मा, पूनमचंद बिश्नोई, कमल आचार्य, नरसिंह सेवग, अजय खत्री, मुकेश ओझा, पवन भाटी, दुर्गाशंकर व्यास, इंद्र कुमार ओझा, नंदू गहलोत, राजाराम सींवड़, अनिल हर्ष, राहुल पारीक, चतर सिंह, राम कुमार व्यास, जसराज सिंवर आदि मौजूद थे।

बालकों में संस्कार निर्माण में मां की अहम भूमिका : सुनीता

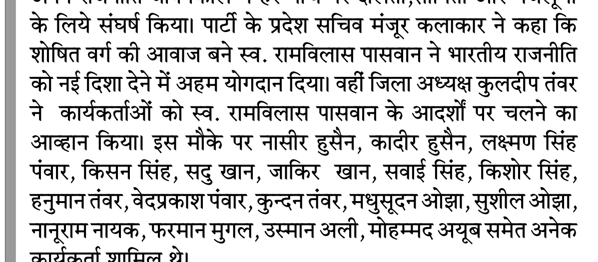

नोखा के आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक हिम्मटसर में मातृ सम्मेलन को सुनीता खींचड़ ने संबोधित किया।

नोखा, (कासं)। मंगलवार को आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक हिम्मटसर में मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता गायत्री शर्मा द्वारा की गई।

मुख्य अतिथि सरिता बिश्नोई व विशिष्ट अतिथि पूजा सुथार व मुख्य वक्ता सुनीता खीचड़ ने सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य भागचंद बिश्नोई ने आगंतुक अतिथियों का परिचय करवाया। विद्यालय का प्रतिवेदन व्यवस्थापक मनोज कुमार शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में मातृशक्ति को संबोधित करते हुए सरिता बिश्नोई ने कहा कि बच्चे की प्रथम गुरु मां होती हैं। वो ही बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए उसे तैयार करती है। अपने बालक को राम या रावण बनाना है ये मां के हाथों में ही होता है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सुनीता खीचड़ ने कहा कि बालकों के संस्कार निर्माण में मां की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अतः मां को सजग रहकर अपने बालक की परवरिश करनी चाहिए। भक्त प्रहलाद व अभिमन्यु की कहानी बताते हुए बताया कि बालक अपनी माता के गर्भ से सीखना शुरू कर देता है। बालक को शुरुआत के पांच वर्ष तक खूब लाड प्यार देना चाहिए। दण्ड से बालक का आत्मविश्वास कमजोर होता है।

MARUTI SUZUKI ARENA

उमंग भरी ड्राइव्स के साथ मनाइए नवरात्रि की खुशियां।
पाएं आकर्षक ऑफ़र्स मन की शांति के साथ।

महा बचत

ALTO K10	S-PRESSO	WAGONR	CELERIO
₹66 400*	₹72 950*	₹63 100*	₹78 000*

3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

Scan to know more
SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Pre-approved loans · Multiple financiers · Custom generated loans · Loan status tracking

SCAN TO CHAT WITH US

ALTO K10 S-PRESSO WAGONR CELERIO

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.

Black glass on the vehicle is due to lighting effect

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: AURIC MOTORS: BIKANER: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **NOKHA:** 01531-222224, 8875010555. **HANUMANGARH:** 01552-223485, 9636045222. **SANGARIA:** 8003098518. **RAWATSAR:** 8875911529. **SURATGARH:** 01509-224228, 9636045444. **NOHAR:** 01555-220485, 8094003519. **SRI GANGA NAGAR:** 0154-2466225, 9636045333. **VIJAINAGAR:** 8094003518. **SRI DUNGARGARH:** 8003098509. **RAISINGH NAGAR:** 8003098519. **ANOOPGARH:** 8094003505. **BHADRA:** 8003098515.
DUDI AUTOMOBILES: BIKANER: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. **PADAMPUR:** 7412075151. **LUNKARANSAR:** 7412075129. **SRI KOLAYAT:** 7412075129. **CHURU: TRS CHURU:** 8882899302.

*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. **Terms and conditions apply. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Offer valid with select financiers only. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 31st Oct, 2024.